प्रेरणास्त्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हरियाणा वाटिका

लोहारू से प्रकाशित

सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 111 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 1.00 बुधवार, 19 फरवरी 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

विकसित भारत बनाने में युवाओं को होगा अहम योगदान : नायब सिंह सैनी

दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को डॉक्टर आफ लिटरेचर की मानद उपाधि से किया अलंकृत। 34वें दीक्षांत समारोह में 2000 पीजी व यूजी के विद्यार्थियों को वितरित की डिग्रियां, 130 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि और 91 विद्यार्थियों को गोल्ड मैडल देकर किया सम्मानित

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के राज्यपाल और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने मंगलवार को विश्वविद्यालय के 34वें दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिए डॉक्टर आफ लिटरेचर की मानद उपाधि से अलंकृत किया। साथ ही, विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले और अंतरिक्ष में भारत का गौरव बढ़ाने वाले इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ को भी विश्वविद्यालय द्वारा मानद उपाधि और गोयल पीस प्राइज से सम्मानित किया गया। अहम पहलू है कि इस दीक्षांत समारोह में लगभग 2000 विद्यार्थियों को डिग्री तथा 130 पंजीकृत पीएचडी धारकों को पीएचडी की उपाधि तथा 91 पंजीकृत विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल तथा मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इससे पहले हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, कालका से विधायक शक्ति रानी शर्मा, इसरो वैज्ञानिक डॉ. सोमनाथ एस, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, डॉ. एसपी सिंह व डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार ने दीपशिखा प्रज्ज्वलित कर विधिवत रूप से 34 वें दीक्षांत समारोह का शुभारंभ किया तथा स्मारिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि जब हम भारत की आजादी के 100 वर्ष मनाएंगे, तब हमारा भारत देश एक विकसित राष्ट्र बने। उन क्रांतिकारी वीरों के सपनों का भारत बने, जिन्होंने भारत को आजाद करवाने के लिए अपना सर्वस्व बलिदान दिया। इस विजन को साकार करते हुए वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में सबसे महत्वपूर्ण योगदान युवाओं को होगा। इसलिए युवाओं को मानसिक, शारीरिक एवं नैतिक रूप से मजबूत बनना है और जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पीएचडी की उपाधि से विभूषित और पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह केवल डिग्री नहीं, बल्कि आपकी मेहनत का सम्मान है। उन्होंने विद्यार्थियों के अभिभावाकों व संकाय सदस्यों को भी बधाई दी। उन्होंने इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ को विश्वविद्यालय द्वारा मानद उपाधि और गोयल पीस प्राइज से सम्मानित करने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

हरियाणा ने शिक्षा, खेल, सांस्कृतिक, शोध और औद्योगिक क्षेत्र में बनाई अलग पहचान

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद ने 1956 में इस कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी। तब से लेकर विश्वविद्यालय ने विकास की एक लंबी यात्रा तय की है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने शिक्षा, खेल, सांस्कृतिक, शोध और औद्योगिक क्षेत्र में प्रगति कर देश में एक अग्रणी राज्य के रूप में अपनी एक अलग पहचान बनाई। इस पहचान में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि ऐसे ही शिक्षण संस्थानों की

क्षमता के बलबूते हरियाणा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पूरी तरह से लागू किया है।

सरकार का ध्येय है हर बच्चे को मिले गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एक दशक पहले तक हरियाणा में बेटियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए दूर-दराज के कॉलेजों में जाना पड़ता था। इस कारण अधिकतर बेटियां शिक्षा से वंचित रह जाती थी। उनकी इस पीड़ा को समझते हुए सरकार ने रोडमैप तैयार किया और हर 20 किलोमीटर पर एक कॉलेज स्थापित करने का संकल्प लिया। पिछले 10 सालों में 79 कॉलेज खोले गए, जिनमें से 30 केवल लड़कियों के हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्येय है कि हर बच्चे को अपने घर के नजदीक ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। न्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के साथ-साथ युवाओं के कौशल विकास पर भी बल दे रही है। समय की मांग के अनुसार स्कूल से विश्वविद्यालय तक की शिक्षा को कौशल के साथ जोड़ा है। इसके अलावा, स्कूलों में एनएसएसक्यूएफ, कॉलेजों में पहल योजना, विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन सेंटर और तकनीकी संस्थानों में उद्योगों की जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए उद्योगों के लिए एमओयू करने जैसे कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के बजट के लिए सरकार ने युवाओं से भी सुझाव मांगे हैं, ताकि एक समावेशी और हर वर्ग के विकास का बजट बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवा स्टार्टअप के माध्यम से आज नई ऊंचाइयां छू रहे हैं, यह गर्व की बात है।

प्रदेश में दी जाएंगी 2 लाख और नौकरियां

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 2014 से पहले हरियाणा में ऐसा माहौल था कि युवाओं को सरकारी नौकरी प्राप्त करने के लिए विधायक, मंत्री या मुख्यमंत्री तक के चक्कर काटने पड़ते थे। युवाओं में अविश्वास था कि शिक्षा प्राप्त करने से नौकरी नहीं मिलती। इस अविश्वास को पिछले 10 सालों में वर्तमान सरकार ने तोड़ने का काम किया है। हमारी सरकार ने पारदर्शिता के साथ बिना पर्ची-बिना खर्ची युवाओं को केवल योग्यता के बल पर सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं। पिछले 10 सालों में 1 लाख 75 हजार युवाओं को नौकरियां दी गई। वहीं, आने वाले समय में सरकार 2 लाख और नौकरियां देने का काम करेगी।

देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षेत्र में 1 करोड़ नौकरियों के मिलेंगे युवाओं अवसरः राज्यपाल

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने पीएचडी, पीजी, यूजी की डिग्री लेने वाले और गोल्ड मेडल हासिल करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन विद्यार्थियों में देश के उज्जवल भविष्य को देखा जा सकता है। इस 34 वें दीक्षांत समारोह के बाद सभी विद्यार्थियों की जिंदगी में एक नई यात्रा की शुरूआत होगी। इस यात्रा से अभिभावकों, गुरुजनों को काफी अपेक्षाएं रहेंगी। कोई विद्यार्थी नौकरी की तलाश में होगा और कोई अपने व्यवसाय की तरफ आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को देखकर नजर आ रहा है कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से डिग्री लेने के बाद अधिकतर विद्यार्थी नौकरी हासिल करने वाले नहीं अपितु नौकरी देने वाले संस्थान के रूप में मुकाम हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि इस नई राह में अनेक चुनौतियां सामने आएंगी। सभी विद्यार्थियों को इन चुनौतियां का सामना करना है और अपनी मंजिल को हासिल करना है। इस मंजिल को हासिल करने के लिए विद्यार्थियों को मेहनत, ईमानदारी के साथ आगे बढ़ना होगा। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू कर दी गई है। इस शिक्षा नीति से देश में बड़ा परिवर्तन होने वाला है। इससे नवाचार, तकनीकी, शोध, शिक्षा, संस्कार, नैतिक मूल्य से युवा पीढ़ी को एक नया मार्ग दर्शन मिलेगा। जब सभी विद्यार्थी नई सोच के साथ आगे बढ़ेंगे तो निश्चित ही वर्ष 2047 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों का विकसित भारत बनेगा। राज्यपाल ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को ए-प्लस-प्लस ग्रेड व एनआईआरएफ की 41वीं रैंकिंग मिलने पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकों और कर्मचारियों की मेहनत के कारण विश्वविद्यालय उन्नति की राह पर तेज गति के साथ आगे बढ़ रहा है। यह विश्वविद्यालय प्रदेश का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय है इसलिए विद्यार्थियों को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से मिली शिक्षा और संस्कारों का हमेशा जहन में रखना होगा।

भारत पुनः विश्व गुरु बनने की राह पर अग्रसरः शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा

शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि इस दीक्षांत समारोह से डिग्री हासिल करने उपरांत युवा अपने सामाजिक जीवन में प्रवेश करके जिंदगी का लक्ष्य निर्धारित करके आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि आज हमारे सामने भारत को दुनिया का सबसे ताकतवर देश बनाने की चुनौती है और इस चुनौती से निपटने के लिए युवाओं को संकल्प लेना होगा और संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाना होगा। हर भारतीय का यही संकल्प है कि वर्ष 2047 तक हम भारत को दुनिया का सबसे ताकतवर देश बनाएं, भारत पुनःः विश्व गुरु बनने की राह पर अग्रसर हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गुवतापरक शिक्षा प्रदान करने पर लगातार जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रदेश में 2025 तक लागू करने का हमारा संकल्प है। इस दिशा में सभी शिक्षण संस्थानों ने रोडमैप तैयार कर लिया है।

शिक्षा, शोध, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों में शुमार है कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालयः कुलपति

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने 34 वें दीक्षांत समारोह में मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि इस दीक्षांत समारोह में लगभग 2000 विद्यार्थियों को डिग्री तथा 130 पंजीकृत पीएचडी धारकों को पीएचडी की उपाधि तथा 91 पंजीकृत विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल तथा मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सोमनाथ एस को मानद उपाधि देकर सम्मानित किया गया है। इस विश्वविद्यालय ने देश में सबसे पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू किया है। इस विश्वविद्यालय में 23 नए शैक्षणिक प्रोग्राम शुरू किए गए हैं, 63 पेटेंट हासिल किए हैं, 2 इंक्यूबेशन सेंटर बनाए गए हैं। इस विश्वविद्यालय ने 1150 विश्वविद्यालयों में खेलों के क्षेत्र में तीसरा स्थान हासिल किया, सांस्कृतिक गतिविधियों में देश में तीसरा स्थान हासिल किया और सरकारी विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान पर है। इस अवसर पर भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश, उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला, आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. करतार सिंह धीमान, संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रमेश भारद्वाज, बागवानी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रमेश कुमार मल्होत्रा, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, डीन आफ कालेजिज प्रो. ब्रजेश साहनी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, चैयरपर्सन, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

ओडिशा के इंजीनियरिंग कॉलेज से दो सुरक्षाकर्मी बर्खास्त, तीन अधिकारी निलंबित

ओडिशा/हरियाणा वाटिका/एजेंसी

भारत के ओडिशा प्रदेश के भुवनेश्वर में रहे कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी में रविवार की रात को एक नेपाली छात्रा की आत्महत्या के बाद उत्पन्न तनाव और वहां के सुरक्षाकर्मियों के नेपाली छात्रों के साथ की गई मारपीट और दुर्व्यवहार में शामिल दो सुरक्षाकर्मी को बर्खास्त करने के साथ प्रशासन के तीन अधिकारियों को जांच पूरी होने तक निलंबित कर दिया गया है। नेपाली छात्रा की आत्महत्या के बाद स्थानीय पुलिस ने उसी संस्थान के एक छात्र को भी गिरफ्तार कर लिया है।

प्रयागराज में गंगा-यमुना का पानी स्नान लायक नहीं: रिपोर्ट

प्रयागराज/हरियाणा वाटिका/एजेंसी

प्रयागराज महाकुंभ में गंगा-यमुना के संगम में स्नान चल रहा है। अब तक 54 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं, इस बीच सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट आई है, इसमें बताया गया है कि दोनों नदियों का पानी स्नान करने लायक नहीं है। 17 फरवरी को अपनी रिपोर्ट नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में दाखिल की ने प्रयागराज में 9 से 21 जनवरी के बीच कुल 73 अलग-अलग जगहों से सैंपल इकट्ठा किया। अब उसके जांच के नतीजे जारी किए हैं।

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट में गंगा और यमुना नदी के पानी को लेकर क्या कुछ बताया

गया है।

6 मानकों पर जांचा गया गंगा और यमुना नदी का पानी

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने जो रिपोर्ट जारी की है उसमें कुल 6 पैमानों पर गंगा और यमुना नदी के पानी को जांचा गया है।

पीएच यानी पानी कितना अम्लीय या क्षारीय है, फीकल कोलीफॉर्म, यानी बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड, यानी केमिकल ऑक्सीजन डिमांड और डिजॉल्वड ऑक्सीजन शामिल है। इन छह पैमानों पर जितनी भी जगहों से सैंपल लिए गए हैं उनमें ज्यादातर में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा मानक से अधिक पाया गया है। इसके अलावा 5 अन्य पैमानों पर पानी की गुणवत्ता मानक के अनुरूप है।

भारत निर्यातकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बना रहा है : जितिन प्रसाद

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका/एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने आज यहां कहा कि भारत सरकार भविष्य में आने वाली बाधाओं और चुनौतियों पर विचार कर रही है और उसके अनुरूप रणनीति तैयार कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे निर्यातकों और विशेषकर भारतीय नागरिकों के हितों की रक्षा हो सके। उन्होंने देशों की संरक्षणवादी व्यापार नीति से उत्पन्न संभावित चुनौतियों का भी उल्लेख किया। ईईपीसी इंडिया के 54वें राष्ट्रीय पुरस्कार और चौथे गुणवत्ता पुरस्कार समारोह में अपने संबोधन में मंत्री ने कहा, "भारत आगे बढ़ रहा है। हमारे पास 1.4 बिलियन का बाजार है। हम

एफटीए को समान स्तर पर आगे बढ़ा रहे हैं। हमारे पास न केवल वे संख्याएं हैं, जिनके बारे में लोग बात करते थे बल्कि हमारे पास एक महत्वाकांक्षी खर्च करने वाली आबादी है। हम भारत के हित में और हमारे निर्यातकों के हित में सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करेंगे। हम अब किसी भी दबाव में नहीं झुकेंगे। हम इससे कम पर समझौता नहीं करेंगे।" समारोह में आज 33 उत्पाद समूहों के 106 राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और 4 श्रेणियों में 14 गुणवत्ता पुरस्कार विजेता शामिल हुए। इनमें महारत्न-बीएचईएल, आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील, जेएसडब्ल्यू, पोस्को महाराष्ट्र जैसी इस्पात दिग्गज कंपनियां, ईपीसी परियोजना प्रमुख-लार्सन एंड टूब्रो, प्रसिद्ध रक्षा उपकरण निमार्ता- बीईएमएल, ऑटोमोबाइल उद्योग के सितारे-इसुजु मोटर्स, टोयोटा किर्लोस्कर, एकीकृत ऊर्जा समाधान प्रदाता-तोशिबा ट्रांसमिशन शामिल हैं।

ईईपीसी इंडिया के अध्यक्ष पंकज चड्ढा ने कहा, "इस वर्ष हम वित्तीय वर्ष 2021-2022 के लिए इंजीनियरिंग निर्यात में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 106 विजेताओं की एक टीम को 106 पुरस्कारों से पुरस्कृत कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2021-22 भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर रहा।

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी केवल टवीट मास्टरः सीएम नायब सैनी

कुरुक्षेत्र/हरियाणा वाटिका/एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी केवल टवीट मास्टर है। इस नेता ने केवल टवीट करना ही सीखा है और जमीनी हकीकत की रत्ती भर भी जानकारी नहीं है। इसलिए कांग्रेस की जमीन पूरी तरह खिसक चुकी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि 2 मार्च को नगर निकाय के चुनाव होने जा रहे है। इन चुनावों के लिए नगर निगम के मेयर पद प्रत्याशी, नगर परिषद चेयरमैन के प्रत्याशियों, नगर पालिका के चेयरमैन के प्रत्याशियों के साथ-साथ मंत्रीगण और पार्टी के नेताओं के साथ कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर विस्तार से चर्चा की गई और नगर निकाय चुनावों को जीतने के लिए पूरी योजना तैयार की गई है, इसके साथ ही प्रत्याशियों को जमीनी स्तर पर कार्य करने के बारे में भी भाजपा नेताओं द्वारा टिप्स दिए गए है। इन नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को भारी बहुमत से जीत हासिल होगी और प्रदेश में हर वार्ड में कमल का फूल खिलेगा। उन्होंने एक प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी टवीट मास्टर है और उनकों सिर्फ टवीट करना आता है और इसके अलावा कुछ नहीं आता। इस नेता को धरातल पर काम करने की रत्ती भर भी जानकारी नहीं है।

कांग्रेस को देश की एकता और अखंडता से सरोकार नहीं: मोहन

महेंद्रगढ़/हरियाणा वाटिका/एजेंसी

कांग्रेस पार्टी के नेता का बयान साबित कर रहा हैं कि उन्हें देश की एकता और अखंडता से कोई सरोकार नहीं है। उपरोक्त बातें हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा के आवास जयराम सदन में कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा पर पलटवार करते हुए कहीं। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने सोमवार को अपने एक बयान में कहा कि चीन भारत का दुश्मन नहीं है। चीन से भारत को खतरे को अक्सर बड़ा चढ़ाकर पेश किया जाता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने कहा कि पित्रोदा के बयान को भारत की पहचान, संप्रभुता और कूटनीति को गहरा आघात लगा हैं। कांगेस नेता पहले भी देश के खिलाफ विवादित बयान देते रहे है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि हरियाणा में हो रहे निकाय चुनावों में भाजपा का कमल खिलेगा और ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी।। उन्होंने कहा कि पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा से मिलने से हमारी बैटरी चार्ज हो जाती है। रामबिलास शर्मा पार्टी के हरियाणा के ऐसे वरिष्ठ नेता है जिनके नेतृत्व में हर कार्यकर्ता ने काम करके बीजेपी को मजबूत करने का कार्य किया है। पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में अमेरिका यात्रा बेहद सफल रही अमेरिका ने भी भारत के लोहे को मान लिया है।

आतिशी और संजय सिंह के खिलाफ मानहानि केस मामले में संदीप दीक्षित की याचिका खारिज

नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित की दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी मालेर्ना और आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह के खिलाफ दस करोड़ रुपये की दीवानी मानहानि का केस खारिज कर दिया है। हाई कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता की ओर से दाखिल दीवानी मानहानि के मुकदमे की कोर्ट फीस नहीं जमा की गयी है, इसलिए उनकी याचिका पर सुनवाई का कोई औचित्य नहीं है। संदीप दीक्षित ने अपनी याचिका में कहा था कि आतिशी मालेर्ना और संजय सिंह ने 26 दिसंबर 2024 को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें आरोप लगाया गया है कि संदीप दीक्षित ने भाजपा से करोड़ों रुपये लिए हैं। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया गया था कि संदीप दीक्षित भाजपा के साथ मिलकर आम आदमी पार्टी को हराने की साजिश रचने में शामिल हैं। याचिका में कहा गया था कि आतिशी मालेर्ना और संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जो कुछ भी कहा वो झूठ और बेबुनियाद है।

चक्रीय अर्थव्यवस्था से औद्योगिक नवाचार, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और रोजगार सृजन को भी मिलता है बढ़ावा: भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका/एजेंसी

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को भारतीय पुनर्चक्रण एवं पर्यावरण उद्योग संघ (आरईआईएआई) द्वारा 'अपशिष्ट पुनर्चक्रण एवं जलवायु परिवर्तन 2025' पर आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में सालाना लगभग 62 मिलियन टन कचरा पैदा होता है, जिसमें प्लास्टिक, इलेक्ट्रॉनिक और खतरनाक कचरे की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। लेना, बनाना और निपटाना का पारंपरिक रैखिक आर्थिक मॉडल अब संधारणीय नहीं है। लैंडफिल पर बढ़ते दबाव, प्राकृतिक संसाधनों की कमी और अनियंत्रित कचरा निपटान से पर्यावरण को होने वाले नुकसान को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। चक्रीय अर्थव्यवस्था केवल एक विकल्प नहीं है, यह अनिवार्य है।

यादव ने कहा कि एक अच्छी तरह से काम करने वाली चक्रीय अर्थव्यवस्था न केवल प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करती है, बल्कि ये औद्योगिक नवाचार, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और रोजगार सृजन को भी बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत कचरा प्रबंधन से हटकर कचरे से संपदा पहल के माध्यम से पुनर्चक्रण की आर्थिक क्षमता का दोहन कर रहा है। उन्होंने कहा, "उत्पाद डिजाइन से लेकर एंड ऑफ लाइफ प्रबंधन तक, हर चरण पर कम करने, पुनः उपयोग करने और पुनर्चक्रण सहित भविष्य में चक्रीय अर्थव्यवस्था की एक प्रमुख भूमिका है। कचरे को बोझ नहीं, बल्कि संसाधन के रूप में देखा जाना चाहिए। आर्थिक आर्थिक प्रतिस्कंदन, पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त करने के लिए स्थायी प्रथाओं को अपनाना महत्वपूर्ण है।"

फ्रीमैन्स आईपीएल 2025 के लिए पंजाब किंग्स का ऑफिशियल टूल्स पार्टनर बना

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
बठिंडा, 18 फरवरी। भारतीय उपमहाद्वीप में मापने वाले उपकरणों के अग्रणी और सबसे बड़े निमार्ता फ्रीमैन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए पंजाब किंग्स के ऑफिशियल टूल्स पार्टनर बनने की घोषणा की है। यह साझेदारी फ्रीमैन्स की खेल उत्कृष्टता को समर्थन देने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है और साथ ही आगामी आईपीएल सीजन के लिए पंजाब किंग्स की तैयारियों में योगदान देती है।
इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए एफएमआई लिमिटेड (फ्रीमैन्स) के कार्यकारी निदेशक साहिल नायर ने कहा कि हमें आईपीएल 2025 सीजन के लिए पंजाब किंग्स का आधिकारिक टूल्स पार्टनर बनने पर गर्व है। यह साझेदारी हमारे गृह राज्य पंजाब के प्रति हमारी गहरी प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जहां हमने 1950 में अपनी पहली फ्रीमैन्स मेजरिंग टेप पेश की थी। हमारे लिए यह क्षण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि हम फ्रीमैन्स टूल्स के 75 वर्ष पूरे कर रहे हैं, और हमारी जड़ें वहीं हैं जहां से हमने शुरूआत की थी। हम सटीकता, प्रदर्शन और खेल भावना का जश्न मनाते हुए एक रोमांचक और एक्शन से भरपूर क्रिकेट सीजन की प्रतीक्षा कर रहे हैं!
पंजाब किंग्स के सीईओ सतीश मेनन ने कहा कि पूरी पंजाब किंग्स परिवार की ओर से, मैं फ्रीमन्स टूल्स का आईपीएल 2025 के लिए हमारे साझेदार के रूप में स्वागत करता हूँ। हमें उनके साथ एक शानदार और दीर्घकालिक साझेदारी की उम्मीद है, जो सफलता और विश्वास के साथ आगे बढ़े।
एफएमआई लिमिटेड भारतीय उपमहाद्वीप में मापने वाले उपकरणों का अग्रणी और सबसे बड़ा निमार्ता है। इसकी उत्पाद श्रृंखला फ्रीमन्स ब्रांड के तहत बाजार में उपलब्ध है, जिसमें हाथ से उपयोग किए जाने वाले औजार (हैंड टूल्स) और पावर टूल्स की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। 1950 में पंजाब के लुधियाना में स्थापित फ्रीमन्स इस वर्ष विनिर्माण क्षेत्र में अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। कंपनी का विभिन्न खेल विधाओं में सफल प्रायोजन का एक समृद्ध इतिहास भी है।

5 दैनिक आदतों की मदद से ऑस्टियोआर्थ्राईटिस को रोकें और जोड़ों को स्वस्थ रखें

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
कैथल, 18 फरवरी। वृद्धों को अक्सर घुटनों, रीढ़ की हड्डी, कूल्हों एवं अन्य जोड़ों में दर्द होता है। यह ऑस्टियोआर्थ्राईटिस के कारण हो सकता है। ऑस्टियोआर्थ्राईटिस एक आम समस्या है, जिससे वृद्ध लोग प्रभावित होते हैं। इसका कारण बढ़ती उम्र के साथ होने वाली जोड़ों की टूट-फूट है। डॉ. परमजीत सिंह चहल, सीनियर कंसलटेंट - आर्थोपेडिक्स एंड जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल, पटियाला बताते हैं कि उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों के एक दूसरे पर रगड़ खाने से जोड़ों का कार्टिलेज घिस जाता है। लेकिन निम्नलिखित दैनिक आदतों की मदद से जोड़ों की टूट-फूट को रोका जा सकता हैः-

1.शरीर का वजन नियंत्रित रखेंः ज्यादा वजन से जोड़ों, खासकर घुटनों पर दबाव पड़ता है, जिससे टूट-फूट और ऑस्टियोआर्थ्राईटिस होने की संभावना बढ़ जाती है। 2.शरीर की मुद्रा ठीक बनाकर रखेंः उचित मुद्रा से वजन का एक समान वितरण होता है, रीढ़ की हड्डी पर कम दबाव पड़ता है, और वजन हड्डियों की बजाय माँसपेशियों पर पड़ता है।3.आरामदायक जूते पहनेंः जोड़ों के स्वास्थ्य के लिए आरामदायक जूते बहुत आवश्यक होते हैं। खासकर दैनिक वॉकिंग के जूतों को सुविधाजनक होना चाहिए। अगर जूतों की फिटिंग अच्छी नहीं है, तो जोड़ों में परेशानी और तनाव हो सकता है।4.नियमित व्यायाम करेंः नियमित व्यायाम से माँसपेशियों को ताकत मिलती है, हड्डियों पर तनाव कम होता है, शरीर में लचीलापन आता है, और वजन नियंत्रित रहता है।5.खून में शुगर को नियंत्रित रखेंः शुगर बढ़ने पर जोड़ों की कार्टिलेज कठोर हो जाती है, जिससे मोबिलिटी कम होती है और ऑस्टियोआर्थ्राईटिस का जोखिम बढ़ जाता है।इन दैनिक आदतों की मदद से आप अपने जोड़ों को स्वस्थ बनाकर ऑस्टियोआर्थ्राईटिस से अपना बचाव कर सकते हैं। लेकिन अगर जोड़ ज्यादा क्षतिग्रस्त हैं, जिससे मोबिलिटी प्रभावित हो रही है, तो टोटल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की जा सकती है। डॉक्टर के परामर्श से समय पर इलाज करके लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकता है और जोड़ों को लंबे समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है।

रोजगार मेला 21 फरवरी को जिला रोजगार कार्यालय में

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 18 फरवरी। उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि रोजगार विभाग द्वारा 21 फरवरी को जिला रोजगार कार्यालय भिवानी में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त ने जिला के युवाओं का आह्वान किया है कि वे इस रोजगार मेले में अधिक से अधिक भाग लेकर रोजगार प्राप्त करें।
सहायक रोजगार अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि 21 फरवरी को आयोजित रोजगार मेले में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। कंपनी में विभिन्न पदों पर भर्ती की जानी है, जिसके लिए न्यूनतम योग्यता स्नातक तथा आयु सीमा 21 से 45 वर्ष रहेगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक प्रार्थी मेले में भाग लेकर रोजगार के अवसरों का फायदा उठा सकते है। प्रार्थी को अपने रोजगार विभाग का पंजीकरण कार्ड, मूल प्रमाण पत्र आधार कार्ड, योग्यता प्रमाण पत्र सहित 10:30 बजे जिला रोजगार कार्यालय भिवानी में उपस्थित होकर रोजगार मेले में भाग ले सकते है। इस साक्षात्कार हेतु कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

अनाधिकृत निर्माण हटाने के कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए किए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त: जिलाधीश

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 18 फरवरी। जिलाधीश महावीर कौशिक ने अनाधिकृत निर्माण को हटाने के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करने के आदेश जारी किए हैं।
जिलाधीश श्री कौशिक द्वारा जारी किए गए आदेशों में बताया गया है कि जिला नगर योजनाकार विभाग भिवानी ने अपने पत्र के माध्यम से बताया गया है कि जिला भिवानी के नियंत्रित क्षेत्र से अनाधिकृत निर्माण को हटाया जाना है। इस दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है। इसी के मद्देनजर जिलाधीश महावीर कौशिक ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 16(ए) व 17(2) के तहत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए जल सेवाएं भिवानी के एसडीओ जगबीर सिंह को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया। जिलाधीश ने आदेशों में कहा है कि ड्यूटी मजिस्ट्रेट समस्त कार्रवाई नियम अनुसार करें और यह भी सुनिश्चित करें कि किसी भी न्यायालय के आदेशों की उल्लंघना न हो।

सराहनीय पहलः कैंसर पीड़ित पत्रकार अर्चना सेठी को एमडब्ल्यूबी ने दी 1 लाख रुपए की आर्थिक मदद

हिसार के अनिल कुमार व अंबाला की सीमा मेहता सहित तीनों के परिजनों को एमडब्ल्यूबी के अध्यक्ष चंद्रशेखर धरणी व अन्य सदस्यों ने दिए सहायता राशि के चैक

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
चंडीगढ़, 18 फरवरी। मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन के द्वारा कैंसर रोग पीड़िता अर्चना सेठी (चंडीगढ़) को एक लाख रुपए की आर्थिक मदद तथा दो अन्य पत्रकारों अनिल कुमार (हिसार) व सीमा मेहता (अंबाला) के परिजनों को उपचार के लिए क्रमशः 25 व 20 हजार रुपए की आर्थिक मदद की गई है। एसोसिएशन के उत्तर भारत के अध्यक्ष चंद्रशेखर धरणी, कोषाध्यक्ष तरुण कपूर, प्रदेश मीडिया प्रभारी पवन चोपड़ा तथा अन्य पदाधिकारियों में राकेश गुप्ता, थानेश्वर शर्मा व कोमल रमोला ने सामूहिक रूप से इन्हें आर्थिक राशि के चैक वितरित किए। अधिक बीमार होने के कारण अर्चना सेठी खुद चैक ग्रहण करने नहीं पहुंच पाई। इसलिए एसोसिएशन की ओर से प्रेस क्लब चंडीगढ़ के पूर्व अध्यक्ष सुखबीर बाजवा के माध्यम से उन्हें एक लाख रुपए की राशि का चैक भेजा गया। इस दौरान मीडिया वेलबिंग एसोसिएसन के राजीव ऋषि, राजकुमार शर्मा, सीमा शर्मा भी मौके पर मौजूद रहे।

इस अवसर पर एसोसिएशन के उत्तर भारत के अध्यक्ष चंद्रशेखर धरणी ने कहा कि मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन पत्रकारों के कल्याण तथा बीमारी की अवस्था में निष्पक्ष भाव से सहायता करने वाली एकमात्र ऐसी संस्था है, जो पत्रकारों के हितों की सकारात्मक लड़ाई लड़ने के साथ उनके परिजनों को भी किसी भी विपदा में आर्थिक मदद करने में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी एमडब्ल्यूबी के द्वारा कई पत्रकारों की आर्थिक मदद दी गई है, जिसके चलते कई, कैंसर पीड़ित, किडनी ट्रांसप्लांट व अन्य कई रोगों से पीड़ित मीडिया कर्मियों की देवदूत के रूप में मदद की गई है। उन्होंने एमडब्ल्यूबी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि यह संगठन इसी प्रकार से पत्रकार कल्याण के लिए कार्य करता रहे।
धरणी ने कहा कि चाहे पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल हो या फिर हरियाणा के मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी पत्रकार कल्याण के लिए कार्य करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे। हरियाणा के इतिहास में भारतीय जनता पार्टी के पिछले 10 सालों के शासन में सबसे अधिक पत्रकार जगत के कल्याण हेतू कार्य किए गए हैं, जिसमें पत्रकारों की सेवानिवृति पर पेंशन लगाए जाना भी भाजपा की ही देन है। उन्होंने कहा कि समय-समय मीडिया वेलबिंग की ओर से उठाई गई मांगों पर तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल व वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पत्रकारों की दो बड़ी मांगो को पूरा करने का काम किया है। इनमें किसी भी पत्रकार पर एफआईआर दर्ज होने पर उनकों मिलने वाली पेंशन और अन्य सुविधाएं बंद हो जाती थी और परिवार में एक से अधिक पत्रकार होने पर केवल एक को ही सरकार की ओर से पेंशन दी जाती थी, जिसे सरकार ने मीडिया वेलबिंग की मांग पर खत्म करन का काम किया है। अब पत्रकार पर एफआईआर दर्ज होने पर आरोप सिद्ध होने तक उसे सभी सरकारी सुविधाएं पूर्व की तरह से मिलती है। साथ ही परिवार में दो पत्रकारों के होने पर दोनों को ही पेंशन भी दी जाने का प्रावधान किया गया है।
चंद्रशेखर धरणी ने कहा कि एमडब्ल्यूबी की ओर से पीड़ित पत्रकारों की लगातार आर्थिक सहायता की जा रही है। पत्रकारों की मदद के लिए बनी तीन सदस्यीय कमेटी की ओर से उक्त पत्रकारों को सहायता देने के लिए सहानुभूति पूर्वक विचार किया गया। इस पर एसोसिएशन की ओर से नियमानुसार उनकी मदद की गई है। इससे पूर्व भी एसोसिएशन की ओर से गंभीर व असाध्य रोगों से जूझ रहे प्रदेश के कई पत्रकार साथियों की आर्थिक मदद की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि एमडब्ल्यूबी उत्तर भारत का एकमात्र ऐसा संगठन है, जोकि बिना किसी भेदभाव के उनके संगठन से नहीं जुड़ा होने के बावजूद भी सभी पत्रकरों की आर्थिक मदद करती है। इसके साथ ही पत्रकारों की 10-10 लाख रुपए की टर्म इंश्योरेंस व दुर्घटना पॉलिसी बिना किसी पत्रकारों से कोई शुल्क लिए करवाई जाती है। उन्होंने बताया कि हाल ही में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण के हाथों भी एमडब्ल्यूबी की ओर से विधानसभा सचिवालय में कई पत्रकार साथियों को उनकी बीमारी के चलते इलाज के लिए आर्थिक मदद दिलाई गई थी।

लोहारू नपा चुनाव के लिए नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया पूरी, पार्षद पद का एक नामांकन रद्द

- आज सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगी नाम वापसी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
लोहारू, 18 फरवरी। लोहारू नगरपालिका चुनाव के लिए मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच की गई। जांच के दौरान वार्ड नंबर 14 से पार्षद पद के उम्मीदवार अमरचंद पुत्र नौरंग लाल का नामांकन पत्र योग्यता पूर्ण न करने के कारण रद्द कर दिया गया। एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी मनोज दलाल ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के दौरान कुल 74 नामांकन पत्र प्राप्त हुए, जिनमें 49 पार्षद पद और 25 अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्राप्त हुए। मंगलवार 18 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच की गई। जांच के दौरान वार्ड नंबर 14 से पार्षद पद के उम्मीदवार अमरचंद पुत्र नोरंग लाल का नामांकन पत्र योग्यता पूर्ण न करने के कारण निरस्त कर दिया गया। यह वार्ड सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित है, लेकिन अमरचंद 10वीं पास नहीं होने के कारण अयोग्य पाए गए, जिससे उनका नामांकन रद्द किया गया। एसडीएम मनोज दलाल ने बताया कि 19 फरवरी को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक उम्मीदवार अपने नामांकन पत्र वापस ले सकते हैं। इसके बाद, 19 फरवरी दोपहर 3 बजे के बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। इसी दिन चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की अंतिम सूची तथा मतदान केंद्रों की जानकारी सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा कर दी जाएगी।
मतदान 2 मार्च को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक कराया जाएगा। मतगणना 12 मार्च को सुबह 8 बजे से होगी। चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नामांकन प्रक्रिया जांच के दौरान तहसीलदार नवनीत, नायब तहसीलदार शेखर नरवाल, सचिव तेजपाल तंवर, दीपक शर्मा, श्यामसुंदर सांगवान ,अनिल मेंचू जगबीर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पत्रकार सुरक्षा कानून व पत्रकारों की लंबित मांगो को लेकर मुख्यमंत्री व राज्यपाल से जल्द मिलेगा श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा का प्रतिनिधि मंडल : डॉ. इन्दु बंसल

- महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ की तर्ज पर हरियाणा में भी जल्द बनेगा पत्रकार सुरक्षा कानून

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
चंडीगढ़ 18 फरवरी। श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा की संस्थापक व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. इन्दु बंसल ने कहा कि हरियाणा में पत्रकार सुरक्षा कानून व पत्रकारों के हितों की लंबित मांगो के पुनः संज्ञान को ले कर श्रमजीवी पत्रकारों का एक प्रतिनिधि मंडल जल्द ही हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मिलेगा। गौरतलब है कि श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा पिछली 5 जनवरी को करनाल में पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन कर सरकार के विधायकों व नुमाइंदों के माध्यम से हरियाणा सरकार को पत्रकार सुरक्षा कानून व पत्रकारों के हितों की लंबित मांगो को लेकर ज्ञापन दे चुका है। जिस पर आज तक कोई कार्यवाही नही हुई। डॉ. बंसल ने कहा की पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग के साथ- साथ पत्रकारों के हितों के लिये विंभिन्न मांगो को लेकर सरकार को पुनः संज्ञान ज्ञापन भी दिया जाएगा जिस में मुख्य रूप से हरियाणा सरकार से विभिन्न मांगे रखी जाएंगी।

मुख्य मांगेः
1.जिला व प्रदेश स्तर पर सभी पत्रकारों का टोल टैक्स माफ हो।
2. मान्यता प्राप्त व गैर मान्यता प्राप्त सभी पत्रकारों का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा किया जाये।
3. पत्रकारों के लिये एकरीडियेशन (सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त) प्रक्रिया को सरल किया जाये।
4. पेंशन योजना में पत्रकारों की रिटायर्मेंट की उम्र 60 वर्ष की जगह 55 वर्ष की जाये।
5. हरियाणा के सभी जिलों में मीडिया सेंटरों का विस्तार कर कम से कम 150 वर्ग गज में बनाया जाये।
6. मान्यता प्राप्त व गैर मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिये सरकार द्वारा रियायती दरों पर रिहायशी मकान उपलब्ध करवाए जाएं।
7. महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ की तर्ज पर पत्रकार सुरक्षा अधिनियम विधानसभा में पारित हो व सख्त कानून बने।
8. प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की तरह डिजिटल मीडिया के पत्रकारों के लिए भी सरकार द्वारा गाइडलाइंस जारी हो जिस से सरकार द्वारा दी जाने वाली सभी सरकारी सुविधाएं व सरकारी विज्ञापन डिजिटल मीडिया को भी मिल सके।
डॉ बंसल ने कहा की यदि सरकार जल्दी से पत्रकारों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पत्रकार सुरक्षा कानून विधेयक नही बनाती है तो श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा पत्रकार सुरक्षा कानून को हरियाणा में सख्ती से लागू करवाने के लिये प्रदेश व्यापी आंदोलन भी चलाएगा।

ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर गुरुग्राम में रोहित बल के साथ शानदार फैशन उत्सव का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
रोहतक, 18 फरवरी। फैशन, ग्लैमर, चमक-धमक और उत्सवों की एक बेजोड़ दुनिया ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर 2025 के उद्घाटन संस्करण में गुरुग्राम में जीवंत हो उठी। यह शानदार आयोजन भारत के एकमात्र सच्चे फैशन आइकन रोहित बल के असाधारण जीवन का उत्सव था। रोहित बल के साथ इस उल्लेखनीय साझेदारी ने फैशन टूर को कई शानदार प्रस्तुतियों का साक्षी बनाया, जिसका अद्भुत समापन उनकी कलात्मक प्रतिभा, शिल्पकला और उस दृष्टिकोण के सम्मान के साथ हुआ जिसने भारतीय कॉउचर की परिभाषा को बदल दिया। फैशन आइकन सोनम कपूर ने इस विशेष शो में शोस्टॉपर बनकर रोहित बल के जीवन का जश्न मनाया।फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया (एफडीसीआई) के सहयोग से इस टूर ने रोहित बल की बेमिसाल फैशन समझ, कला के प्रति उनके जुनून, कश्मीरी जड़ों और उनकी अद्वितीय शख्सियत को प्रमुखता से प्रस्तुत किया। सुमंत जयकृष्णन द्वारा बल के सिग्नेचर मोटिफ्स से प्रेरित सुंदर रूप से सजाए गए स्थान, प्रसिद्ध शेफ सुवीर सारन द्वारा कश्मीर की पाक परंपराओं का क्यूरेशन और विभा सराफ व देवेशी सहगल द्वारा तैयार की गई भावपूर्ण संगीत रचना, यह शाम पूरी तरह से रोहित बल के अंदाज में गढ़ी गई थी। रैंप पर फैशन, बॉलीवुड और मीडिया की दुनिया से रोहित बल के 100 से अधिक करीबी लोगों ने जलवा बिखेरा, जिनमें कल्याणी चावला, वरुण बहल, राजीव मखनी, मधुर भंडारकर, जे जे वलाया, राहुल देव, मुग्धा गोडसे, ईशा गुप्ता, मलिनी रमानी, विजेंदर सिंह, सोनम कपूर जैसे कई प्रतिष्ठित नाम शामिल थे। उनकी विविध कहानियों ने बल की तस्वीरों और वीडियो की भव्य प्रोजेक्शनों के साथ पूरे माहौल को जीवंत कर दिया, जिससे एक आइकॉनिक रैंप पर रॉ इमोशन्स की प्रस्तुति हुई।पर्नोड रिकार्ड इंडिया के सीएमओ कार्तिक मोहिंद्रा ने कहा,यह रोहित बल की विरासत का ऐसा उत्सव था जिसे युगों तक याद रखा जाएगा। यह हमारे लंबे समय से चले आ रहे उस संकल्प को भी दशार्ता है जिसके तहत हम भारतीय फैशन को आकार देने वाली प्रतिष्ठित आवाजों को प्रमुखता से सामने लाते हैं। वर्षों से हमारी रोहित बल के साथ एक अद्भुत साझेदारी रही है और फैशन टूर के लिए उनका सम्मान करना बिल्कुल उपयुक्त था ताकि फैशन की दुनिया पर उनके प्रभाव को सही रूप में दशार्या जा सके। जैसे-जैसे यह टूर आगे बढ़ेगा, आने वाले अनुभव फैशन के बदलते स्वरूप को प्रदर्शित करते रहेंगे, जिसमें 'द वन एंड ओनली' प्लेटफॉर्म इनोवेशन और आईकॉनिसिटी को अभूतपूर्व रूप से एक साथ लाएगा।अभिनेत्री सोनम कपूर ने कहा, "रोहित की प्रेरणा बनना और उनके असाधारण क्रिएशन्स को इतने वर्षों तक पहनना हमेशा सम्मान की बात रही है। ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर में उनकी विरासत के इस अनोखे उत्सव का हिस्सा बनना मेरे लिए सचमुच सम्मानजनक रहा और यह हमेशा मेरी यादों में बसा रहेगा।

टीआईटी स्कूल में खंड स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 18 फरवरी। स्थानीय टीआईटी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में खंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी, पोस्टर मेकिंग, रोल प्लेय व गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजन परिषद के निदेर्शानुसार खंड शिक्षा अधिकारी शिवकुमार तंवर के निर्देशन में आयोजित की गई। प्रतियोगिता के संयोजक प्रवक्ता प्रवेश गौतम, नरेन्द्र शर्मा, अनिल अरोड़ा रहे। प्रतियोगिता में मुख्यअतिथि कार्यकारी खंड शिक्षा अधिकारी डा. अनिल गौड़ उपस्थित हुए तथा अध्यक्षता प्राचार्य डा. डीपी कौशिक ने की। प्रतियोगिता का आरंभ मुख्यअतिथि डा. अनिल गौड़ ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में 32 सरकारी स्कूलों के कक्षा छठी से 12वीं तक के लगभग 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विज्ञान प्रदर्शनी में माडल भोजन स्वास्थ्य स्वच्छता में जीजीएसएसएस बापोड़ा से मुस्कान प्रथम, राजकीय मीडल स्कूल भिवानी से भुमिका द्वितीय, यातायात संचार में जीएसएसएस बामला से दिवांशू प्रथम, जीएसएसएस पालवास से दीप सिंह द्वितीय, प्राकृतिक खेती में जीजीएसएसएस बापोड़ा से खुशी और कमल प्रथम, राजकीय स्कूल प्रेमनगर से खुशी व प्रेम द्वितीय स्थान पर रहे। आपदा प्रबंधन में जीजीएसएसएस देवसर से प्रिया प्रथम, जीजीएसएसएस दिनोद से सानिया द्वितीय, गणित कौशल प्रतियोगिता में जीजीएसएसएस बापोड़ा से दृष्टि प्रथम व संजना द्वितीय स्थान पर रही। कचरा प्रबंधन में जीजीएसएसएस देवसर से कंचन प्रथम, जीजीएसएसएस खरक कलां से निधि द्वितीय स्थान पर रही। संसाधन प्रबंधन में पीएमश्री जीजीएसएसएस भिवानी से श्रुति प्रथम, मीडल स्कूल मदमाधवी से भवानी द्वितीय स्थान पर रही। प्रतियोगिताओं में मनोज कुमार, महेन्द्र कुमार, अजय शर्मा, विभा यादव, रीतिका वशिष्ठ, प्रवेश, आशीष भारद्वाज, सुरेन्द्र कुमार, महेन्द्र शर्मा, अनिल हलवासिया, ममता पालिवाल, भारत यादव ने जज की भुमिका निभाई। सभी विजेता छात्रों को मुख्यअतिथि व गणमान्य अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि डा. अनिल गौड़ ने कहा कि विज्ञान के द्वारा ही हम अपने जीवन को सरल व उपयोगी बना सकते हैं।

रूपए खुल्ले मांगने के बहाने नकदी व अंगूठी पर किया हाथ साफ

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 18 फरवरी। रानियां के वार्ड नंबर 7 निवासी व्यक्ति को बातों में उलझाकर शातिर युवक उसकी जेब से 5 हजार रूपए की नकदी व ऊंगली से सोने की अंगूठी निकाल ले गया।
पुलिस को दी शिकायत में दयाल सिंह ने बताया कि वह अपने जीजा बच्चन सिंह के साथ बाइक पर टाल पर हरे चारे का पता करने जा रहा था। रास्ते में उन्हें एक लडका मिला, जोकि किसी ऑफिस का पता पूछ रहा था। इसी दौरान उसने 500 रूपए खुल्ले मांगे। जब उसने जेब से पैसे निकाले तो युवक ने उसे बातों में लगा लिया और उसके हाथ से 5 हजार रूपए की नकदी व ऊंगली से सोने की अंगूठी निकालकर ले गया। कुछ देर बाद उन्हें इसका पता चला, लेकिन तब तक दोनों युवक फरार हो चुके थे। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

महिलाओं को सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे यह प्रयास सराहनीय: जसबीर सिंह बंटी

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार
चंडीगढ़, 18 फरवरी। नेचर नाइन फाउंडेशन, चंडीगढ़ ने सीनियर डिप्टी मेयर जसबीर सिंह बंटी जी के साथ मिलकर सेक्टर 42 में महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित कीं। यह पहल महिलाओं को सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र और सक्षम बनाने के लिए आवश्यक उपकरण और कौशल प्रदान करना है।
सीनियर डिप्टी मेयर जसबीर सिंह बंटी जी ने नेचर नाइन फाउंडेशन द्वारा समाज हित विशेषकर महिलाओं के उत्थान के लिए किए जा रहे सराहनीय कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने हर घर में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए एनजीओ की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सिलाई मशीनों का वितरण एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है, जो महिलाओं को न केवल अपने लिए आजीविका अर्जित करने के लिए बल्कि अपने समुदायों में अन्य महिलाओं को प्रशिक्षित करने के लिए भी सशक्त बनाता है। जिससे सशक्तिकरण का प्रभाव बढ़ता है।

गरीब एकल और अनाथ बच्चों की पढ़ाई के लिए दी जा रही आर्थिक सहायता राशि: उपायुक्त महावीर कौशिक

- स्पॉन्सरशिप स्कीम के तहत पात्र बच्चों को दी जाती है 4 हजार रूपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 18 फरवरी। उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि गरीब एकल और अनाथ बच्चों की पढ़ाई के लिए राज्य सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्पॉन्सरशिप स्कीम चलाई जा रही है।

उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया की स्पॉन्सरशिप स्कीम के तहत पात्र बच्चों को 4 हजार रूपए प्रतिमाह के हिसाब से आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि स्कीम को लेकर मापदंड निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पात्र परिवार में केवल दो बच्चों को ही इस योजना का लाभ दिया जा सकता है। महावीर कौशिक ने बताया कि स्कीम का लाभ लेने के लिए शर्तें निर्धारित की गई है। शर्तों के अनुसार बच्चे अनाथ हो और आयु 18 वर्ष से कम होनी चाहिए। ऐसे बच्चे जिनकी माता विधवा, तलाकशुदा अथवा परिवार द्वारा छोड़ दिया गया हो। इसके अलावा बच्चे बुआ-फूफा, नाना-नानी, मामा-मामी या शादीशुदा बहन के पास रहते हो। शर्त के अनुसार माता-पिता दुर्घटना के कारण असहाय बन गए हो और वित्तीय व शारीरिक दोनों रूप से बच्चों की देखभाल करने में असमर्थ हो, तो ऐसे बच्चों को स्कीम के लिए पात्र माना जाएगा। इसी प्रकार से जिन बच्चों के माता-पिता किसी भयानक बीमारी जैसे एड्स या कैंसर आदि से पीड़ित हो तो भी वे स्कीम के दायरे में आएंगे। स्कीम के लिए यह शर्त भी लगाई गई है कि पात्र बच्चा किसी अन्य विभाग से आर्थिक सहायता ले रहा हो। इसके साथ ही बच्चा जिसके पास रह रहा हो वह सरकारी नौकरी या सरकारी पेंशन नहीं ले रहा हो। उन्होंने बताया कि पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन स्कीम के लाभार्थी भी स्कीम के अंतर्गत आते हैं।

उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि स्कीम का लाभ लेने के लिए जरूरी दस्तावेज होने भी आवश्यक है। इन दस्तावेजों में स्कूल से बच्चों के बारे में प्रमाण पत्र होना चाहिए। मृतक माता-पिता के मृत्यु का प्रमाण पत्र की फोटो प्रति आवेदन के साथ लगानी होगी। बच्चा जिसके पास रहता है उसके परिवार पहचान पत्र की फोटो प्रति होना जरूरी है। बच्चा जिसके पास रहता है उसके आधार कार्ड की फोटो कॉपी व बच्चों के साथ उसकी फोटो होना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि परिवार की सालाना आय ग्रामीण क्षेत्र में 72 हजार रूपए तथा शहरी क्षेत्र में 96 हजार रुपए का आय प्रमाण पत्र साथ लगाना होगा। आवेदन के साथ बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड की फोटो प्रति लगानी होगी। इसी प्रकार से ग्राम सरपंच, वार्ड मेंबर, आंगनबाड़ी से बच्चे व उसके परिवार के बारे में प्रमाण पत्र लेना होगा। बच्चा जिसके पास रह रहा है उसे यह शपथ पत्र देना होगा कि बच्चा किसी अन्य विभाग से आर्थिक सहायता नहीं ले रहा है। उन्होंने कहा कि इन सभी दस्तावेजों को पूरा करने वाले बच्चों को इस उपरोक्त स्कीम का लाभ प्रदान किया जाएगा। स्पॉन्सरशिप स्कीम की अधिक जानकारी के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला बाल संरक्षण इकाई से संपर्क कर सकते हैं।

जिंदल स्टेनलेस ने प्रो कबड्डी टूनार्मेंट सीजन 8 की शुरूआत की और हिसार में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
हिसार, 18 फरवरी। जिंदल स्टेनलेस ने प्रो कबड्डी टूनार्मेंट के बहुप्रतीक्षित आठवें सीजन की शानदार शुरूआत की। इस टूनार्मेंट का उद्घाटन वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं इकाई प्रमुख श्री विजय कुमार बिंदल ने उद्घाटन मशाल जलाकर किया, जिससे आठ सप्ताह तक चलने वाली इस रोमांचक प्रतियोगिता की शुरूआत हुई। सीजन के पहले मैच में यूटिलिटी और सेंट्रल इलेक्ट्रिकल की टीम धक्कड़ और सीआरडी की टीम लायंस के बीच जबरदस्त मुकाबला हुआ, जिसके बाद सिक्योरिटी ग्लेडिएटर्स और एसपीडी स्टार्स के बीच रोमांचक मैच खेला गया। जिंदल स्टेनलेस में प्रो कबड्डी टूनार्मेंट एक महत्वपूर्ण आयोजन बन गया है, जो कर्मचारियों में टीम वर्क, फिटनेस और संगठन की एकजुटता को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर श्री विजय बिंदल ने कहा कि प्रो कबड्डी टूनार्मेंट हमारे कर्मचारियों के लिए एक बेहतरीन मंच है, जहां वे आपस में जुड़ सकते हैं, सक्रिय रह सकते हैं और जिंदल स्टेनलेस की संस्कृति को और मजबूत बना सकते हैं। यह देखकर खुशी होती है कि यह आयोजन हर साल बड़ा होता जा रहा है और टीम वर्क तथा अच्छे स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करता है। खेलों के साथ-साथ, जिंदल स्टेनलेस ने अपनी सामाजिक और पर्यावरणीय प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए हिसार के भगवती पार्क, पटेल नगर में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। ह्यस्टेनलेस स्वच्छता अभियानद्ध के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में जिंदल स्टेनलेस के कर्मचारियों, ग्रेजुएट इंजीनियरिंग ट्रेनीज और पटेल नगर के निवासियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अभियान में पीपल, चांदनी, कोना कार्पस और हिबिस्कस के 60 पौधे लगाए गए। इसके अलावा, पार्क की सफाई की गई और रिसायकल्ड प्लास्टिक से बने बेंच और डस्टबिन स्थापित किए गए, जिससे पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा मिले। जिंदल स्टेनलेस कर्मचारियों और समुदाय दोनों के लिए एक स्वस्थ और हरित भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ा रहा है।

फर्जी करेंसी छापने की ट्रेनिंग देने के गिरोह के ठिकानों पर छापामारी, खाली हाथ लौटीं पुलिस

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
बहल, 18 फरवरी। हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र में फर्जी भारतीय करेंसी छापने, छपाई सामग्री बेचे और इंस्टाग्राम पर ट्रेनिंग देने के मामले में गिरफ्तार थाना क्षेत्र के गांव सिरसी वासी दिनेश तथा यूपी के जिला गाजीपुर के बिहारीगंज वासी संदीप के रिमांड में बताए ठिकाने मुंबई से खाली हाथ लौटीं है। थाना बहल पुलिस मुंबई के बदलापुर से इंस्टाग्राम की विडियोज से फर्जी करेंसी छापने की ट्रेनिंग देने के गिरोह के ठिकानों की छापामारी में गिरोह के लोगों के घर पर ताले लगे मिले। पुलिस रिमांड की अवधि बुधवार को समाप्त हो रही है और पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपितों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। फर्जी भारतीय करेंसी छापने के आरोपितों का जाल बढ़ा विस्तृत और सतर्क नजर आया गाजीपुर और मुंबई में छापामारी के दौरान हरियाणा पुलिस को कुछ भी हाथ नहीं लगा। पिछले 8 दिनों से पुलिस फर्जी करेंसी छापने के जाल का पट्टा क्षेप करने के लिए हरियाणा पुलिस की टीमों सहित गुप्तचर विभाग व राजस्व सूचना निदेशालय (डीआरआई) भी सघंता से जांच-पड़ताल में लगी हुई हैं। इस गीरोह के तार अली बाबा ऐप से जुड़े हैं। जो फर्जी भारतीय करेंसी प्रिंटिंग की सामग्री आन लाइन खरीद देश के युवाओं को बेचते हैं। इस जाल में बहल थाना क्षेत्र के गांव सिरसी वासी दिनेश इंस्टाग्राम के माध्यम से गाजीपुर बिहारीगंज वासी संदीप के संपर्क में आकर फर्जी ई छापने की सामग्री खरीद कर लाया था। आरोपित दिनेश को संदीप ने नोट करेंसी छापने को 10 हजार रुपए की फर्जी करेंसी छापने की सामग्री से छापते 75 से 80 हजार रुपए की करेंसी। फर्जी करेंसी छापकर 75 प्रतिशत से अधिक कमाने की इंस्टाग्राम पर देता था ट्रेनिंग। थाना क्षेत्र बहल के सिरसी वासी दिनेश को भी जाली नोट करेंसी छापने की सामग्री उपलब्ध कराई जाने की बात कबूल चुका है। इंस्टाग्राम साइट से ट्रेनिंग की बात संदीप भी कबूल चुका है। यूपी के जिला गाजीपुर गांव बिहारीगंज वासी दिनेश ने पुलिस रिमांड में अपने गिरोह के कई ठिकानों के राज उगले हैं और इसको लेकर बहल थाना जांच पुलिस वह अन्य गठित टीमें अलग-अलग एंगलों पर जांच कर रही है। ताकि इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में यूपी में महाराष्ट्र में तलाश की जा सके। यहां बता दें कि दिनेश वासी सिरसी को पुलिस ने मुंबई से आते वक्त ट्रेन से राजस्थान के सादुलपुर स्टेशन से गिरफ्तार किया गया था।। मामले की गंभीरता देश की फर्जी करेंसी छपाई का राजस्व से जुड़े होने से लेकर पुलिस टीमों ने यूपी व महाराष्ट्र तक पहले जाल को तलाश कर चुकी है। इस मामले में अब तक केवल दो ही गिरफ्तारी हुई है। एक हरियाणा में एक यूपी से। इस संबंध में जांच अधिकारी एवं थाना प्रभारी राधेश्याम शर्मा ने बताया कि इस मामले में जांच पड़ताल जारी रहेगी और दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश कर रिमांड की अपील की जाएगी।

गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार की मौत

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 18 फरवरी। चोपटा क्षेत्र में गाड़ी की टक्कर लगने से बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भतीजे की शिकायत के आधार पर आरोपी गाड़ी चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी। पुलिस को दी शिकायत में गांव कागदाना निवासी मुकेश कुमार ने बताया है कि वह और उसके 50 वर्षीय चाचा धारा सिंह अलग-अलग बाइक पर सवार होकर खेत से घर आ रहे थे। इसी दौरान जब होटल से थोड़ा आगे पहुंचे तो पीछे से राजस्थान के भादरा की तरफ से आ रही सफेद रंग की गाड़ी के ड्राइवर ने लापरवाही व तेज गति से चलाते हुए गाड़ी की चाचा के बाइक में टक्कर मार दी। मुकेश ने बताया कि टक्कर लगते ही उसके चाचा धारा सिंह बाइक सहित सडक पर गिर गए। सडक पर गिरने के कारण उनके सिर व शरीर पर काफी चोटें आई। उसने राहगीरों की मदद से वाहन का इंतजाम करके चाचा को सिरसा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। मगर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

भिवानी के हालु बाजार में पोस्ट ऑफिस कर्मचारी से किया लूट का प्रयास

मोटर साइकिल पर सवार दो बदमाशों ने पिस्तौल के दम पर कर्मचारी से किया बैग छीनने का प्रयास, असफल रहे बदमाश

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 18 फरवरी। भिवानी के हालु बाजार स्थित पोस्ट ऑफिस में आज सुबह दो बाईक सवार बदमाशों द्वारा पोस्ट ऑफिस कर्मचारी से लूट की नाकाम कोशिश का मामला सामने आया है। बदमाशों द्वारा पिस्तौल के बल पर कर्मचारी से लूट का प्रयास किया गया, कर्मचारी की सतर्कता ने उन्हे बचा लिया तथा लूट की वारदात रोक दी। इस बारे में पुलिस को सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा मामले की जांच शुरू की। फिलहाल पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

इस बारे में भिवानी के हालु बाजार के पोस्ट ऑफिस कार्यालय के कर्मचारी मनजीत ने बताया कि वे सुबह करीबन साढ़े 8 बजे कार्यालय में आए। तब दो बाईक सवार उनके सामने आए। जिनमें से एक ने हेल्मेट लगा रखा था तथा एक युवक ने रूमाल से मुंह ढक रखा था। मनजीत ने बताया कि बाईक सवारों ने उनके पास बाईक रोककर उनकी तरफ पिस्तौल करके बैग छीनने का प्रयास किया। लेकिन वे दोनों युवकों को धक्का देकर भाग गए। पीड़ित मनजीत ने बताया कि उन्होंने दोनों आरोपियों को पहले कभी नहीं देखा था तथा उनकी किसी से कोई रंजिश भी नहीं है।

इस बारे में भिवानी डाकघर अधीक्षक संजय कुमार ने कहा कि शहर में दिन-दहाड़े किसी कर्मचारी से लूट की घटना ना केवल निदंनीय, बल्कि पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान खड़े कर रही है। जिसके चलते पतराम गेट क्षेत्र में रहने वाले लोगों में भय व कर्मचारियों में गुस्सा है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए, ताकि शहरवासी अपने आप का सुरक्षित महसूस कर सकें।

लोहारू में आज दिनभर रहेगी चुनावी गहमागहमी, नामांकन वापसी व चुनाव चिन्ह आवंटित होने के बाद चुनाव प्रचार होगा शुरू

फरवरी माह में तापमान वृद्धि के साथ लोहारू की राजनीति में भी आएगा चुनावी उबाल

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
लोहारू, 18 फरवरी। नगरपालिका चुनाव के लिए बुधवार का दिन काफी गहमागहमी भरा रहने वाला है। बुधवार को नामांकन वापिस लेने का अंतिम दिन होने के कारण राजनीतिक सरगर्मियां भी जोरों पर होगी। रिटर्निंग अधिकारी द्वारा बुधवार को ही सांय तीन बजे के बाद चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची जारी कर चुनाव चिन्ह भी वितरित किए जाऐंगे। ऐसे में लोहारू नगर पालिका चेयरमैन पद के लिए मंगलवार को सभी प्रत्याशी रूठो को मनाने तथा अपने समाज के लोगों को किसी एक प्रत्याशी के नाम पर सहमत करने के प्रयासों में जुटे नजर आए। लोहारू नपा चेयरमैन पद के लिए 25 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है तथा उनमें से 12 उम्मीदवार सैनी समाज से है। सैनी समाज का लोहारू में सबसे अधिक वोट बैंक है। ऐसे में यदि सैनी समाज एकजुटता से चुनाव लड़ता है तो पूरी संभावना है कि अगला चैयरमेन सैनी समाज से हो। ऐसे में सैनी समाज को एकजुट करने के लिए किसी एक नाम पर सहमति बनाने के प्रयासों के तहत सोमवार सांय से ही सैनी समाज की बैठकों का दौर जारी है। वहीं इस बात की संभावना काफी कम है कि सैनी समाज किसी एक नाम पर सहमति बनाने में कामयाब हो। सैनी समाज से यदि चार से पांच उम्मीदवार भी मैदान में बने रहते है तो इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि लोहारू नपा चुनाव काफी रोमांचक व दिलचस्प होने के साथ-साथ यहां कांटे की टक्कर होने वाली है। प्रजापत समाज से पूर्व पार्षद हरपाल सिंह भी समाज को एकजुट करने के प्रयासों मे लगे है वहीं खटीक समाज ने सर्वसम्मति से राम भगत सोलंकी को अपना समर्थन देकर चुनाव मैदान में उतार दिया है। पंजाबी समाज की ओर से रजत खुराना ने भी मैदान में ताल ठोक रखी है। वहीं एससी समाज से भी 6 उम्मीदवार मैदान में उतरने के लिए तैयार है। माना जा रहा है नामांकन वापिस लेने के अंतिम दिन आधा दर्जन से अधिक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकते है। इसके पीछे कारण माना जा रहा है कि कुछ उम्मीदवारों ने आपसी होड़ के चलते नामांकन तो कर दिया परंतु अब वे अपने समाज के दबाव में अपना नामांकन वापस लेंगे। यहीं स्थिति वार्ड पार्षद के चुनाव के लिए है।

वार्ड पार्षद के लिए भी नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवार अपने प्रतिद्वंदी के सामने मान मनुहार करके उन्हें मनाने में लगे है। ध्यान रहे कि लोहारू नपा चेयरमैन के लिए 25 तो वार्ड पार्षद के लिए 49 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन किया है। वार्ड पार्षद के लिए वार्ड नंबर एक से 3, वार्ड नंबर 2 से 3, वार्ड नंबर 3 से 3,वार्ड नंबर 4 से एक, वार्ड नंबर 5 से 2 वार्ड, नंबर 6 से 4, वार्ड नंबर 7 से 3, वार्ड नंबर आठ से चार, वार्ड नंबर 9 से 5 ,वार्ड नंबर 10 से 6, वार्ड नंबर 11 से 3, वार्ड नंबर 12 से 3, वार्ड नंबर 13 से 4 तथा वार्ड नंबर 14 से 5 उम्मीदवारों ने अपना आवेदन किया है।

पार्षद पद के लिए वार्ड 14 के एक उम्मीदवार का नामांकन शैक्षणिक योग्यता की शर्त पूरी न करने के कारण निरस्त किया गया है। नामांकन वापस लेने व चुनाव चिन्ह आवंटित होने के बाद बुधवार सायं से ही नपा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार शुरू हो जाएगा तथा नगर चुनावी माहौल में ढल जाएगा। वैसे चुनावी चचाओं को लेकर राजनीतिक माहौल गर्मा गया है तथा फरवरी माह में तापमान के साथ-साथ नगर की चुनावी राजनीति में भी गर्माहट आ रही है। चुनावी माहौल को भांपते हुए सभी उम्मीदवार अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए रणनीति तैयार कर रहे है तथा रूठो को मना कर अपने पक्ष में लाने के प्रयासों में लग गए है।

छात्रों को भविष्य में सफल व्यक्ति बनाना लक्ष्य: डॉ. जयप्रकाश

जेसीडी मेमोरियल कॉलेज की छात्रा रवीना ने किया यूनिवर्सिटी टॉप

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 18 फरवरी। जेसीडी मेमोरियल कॉलेज की एमएससी बॉटनी फाइनल इयर की छात्रा रवीना ने चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा में 85 प्रतिशत अंक लेकर विश्वविद्यालय में टॉप किया है। इसके अलावा एमएससी बॉटनी फाइनल ईयर की छात्रा वर्षा ने 80.7 फीसदी व समेस्ता ने 79.63 फीसदी अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय में सातवां व दसवां स्थान प्राप्त किया है।

विद्यापीठ के महानिदेशक डॉ. जयप्रकाश ने विद्यार्थियों की उत्कृष्ट सफलता पर खुशी जाहिर की और कहा कि जेसीडी मेमोरियल कॉलेज हमेशा से शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। उनका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल डिग्री तक सीमित नहीं करना है, बल्कि हमारा लक्ष्य छात्रों को भविष्य में सफल और प्रभावशाली व्यक्तियों के रूप में विकसित करना है।

उन्होंने विद्यार्थियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उन्हें उनकी सफलता पर बधाई दी। इस अवसर पर कॉलेज कॉर्डिनेटर डॉ. अमरीक गिल और विभागाध्यक्ष अंजलि धवन भी मौजूद थे।

प्राचार्या डॉ. शिखा गोयल ने विद्यार्थियों की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से कॉलेज का नाम रोशन किया है। रवीना, वर्षा, समेस्टा जैसे छात्रों की सफलता हमारे शिक्षकों के अथक प्रयास और विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कॉलेज में विद्यार्थियों को केवल पाठयक्रम के विषयों तक सीमित नहीं रखा जाता, बल्कि उन्हें जीवन के महत्वपूर्ण मूल्य और अनुशासन भी सिखाए जाते हैं। यही कारण है कि हमारे विद्यार्थी हर क्षेत्र में अग्रणी रहते हैं। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता, प्राध्यापकों और प्रबंधन को दिया।

ट्रैक्टर से नष्ट की खेत में खड़ी गेहूं की फसल, केस दर्ज

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 18 फरवरी। गांव जमाल निवासी किसान की गांव रूपावास में खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को कुछ लोगों ने ट्रैक्टर से नष्ट कर दिया। पुलिस ने इस संबंध में किसान राजबीर सिंह की शिकायत पर गांव रूपावास निवासी वेदपाल पुत्र चंद्रमुनी, इंद्रजीत, प्रवीण सहित 15-20 अन्य व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस को दी शिकायत में राजबीर सिंह ने बताया कि जमाबंदी साल 2017-18 में खेवट नंबर 1242, खतौनी नंबर 1458-1459 में कुल रकबा 126-14 में हिस्सानुसार वह मालिक है। उसने अपने खेत में मुरबा नंबर 211 में किला नंबर 1-9, 1/3(2-12) में व मुरब्बा 211 किला 2, 8/2, 9, 10, 11, 12 ,13/1 में सरसों व गेहूं की बुआई की हुई है, जिसमें से मुरबा नंबर 211 किला नंबर 1-09, में गेहूं की बुआई की हुई है। उपरोक्त लोगों ने 4-5 ट्रैक्टरों से खेतों में खड़ी गेहूं फसल को नष्ट कर दिया। जब उसने तीनों से इस बाबत पूछताछ की तो तीनों ने उसे धमकी भी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

कब्जा हटाने गई नगर पालिका की टीम का विरोध, लगाया जाम

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
महम, 18 फरवरी। स्थानीय नगरपालिका की जमीन पर अवैध कब्जे हटाने गई टीम ने विरोध का सामना करना पड़ा। कुछ लोगों ने नगरपालिका की टीम पर पथराव कर दिया।इतना ही नहीं कुछ लोगों ने महम गोहाना मार्ग भी जाम किया । विरोध को देखते हुए टीम को वापस लौटना पड़ा। नगर पालिका सचिव नवीन नांदल का कहना है कि मॉडल स्कूल के पीछे कुछ लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर पक्के निर्माण कर लिए थे।जिसे बार बार नोटिस भेजकर कब्जा हटाने के लिए कहा गया था। बावजूद कब्जा न हटाने पर जिला उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने अवैध कब्जे हटाने के आदेश देते हुए बाद पंचायती विभाग के एसडीओ अतुल कुमार व गिरीश बत्रा को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया हुआ था। पुलिस बल को साथ लेकर नगरपालिका की टीम ने जेसीबी की सहायता से चार एकड़ जमीन से अवैध कब्जे हटाए हैं। कुछ लोगों ने सरकारी काम में बाधा उत्पन्न करते हुए प्रशासन की टीम का विरोध करते हुए उन पथराव किया । विरोध स्वरूप महम गोहाना मार्ग को जाम करने की कोशिश की। नपा सचिव ने बताया कि गनीमत रहा कि पथराव के दौरान किसी को चोट नहीं लगी है। बताया कि ड्यूटी मजिस्ट्रेट द्वारा इसकी शिकायत पुलिस को दी गई है। अवैध कब्जा धारियों को दो दिन का समय दिया गया है। कब्जा हटाने की कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी। इस बारे में थाना प्रभारी सत्यपाल का कहना है कि कुछ लोगों ने सड़क जाम करने की कोशिश की थी। उनको तीतर बितर कर दिया गया था। कौन लोग इसमें शामिल थे इसकी जांच की जा रही है। इस अवसर पर नगर पालिका सचिव नवीन नांदल , एम ई अशोक हुड्डा , भवन निरीक्षक मुकेश दलाल, नवीन आदि मौजूद थे।

विश्व शांति, वातावरण शुद्धि और संस्कारों के संरक्षण हेतु किया गया सामूहिक हवन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
महम, 18 फरवरी। आर्य स्कूल मदीना के परिसर में अपने नए एडमिन ब्लॉक के उद्घाटन पर हवन का आयोजन किया गया। प्राचार्य अशोक दांगी और लतेश दांगी ने मुख्य यजमान की भूमिका निभाई। आचार्य वेद मित्र व करतार शास्त्री के सानिध्य में सभी स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों ने मिलकर यज्ञ में आहुति डाली।प्राचार्य अशोक दांगी ने कार्यालय भवन के निर्माण कार्य की पूर्ति पर प्रसन्नता व्यक्त की और सभी स्टाफ सदस्यों को मिलजुल कर बौद्धिक काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कार्य की सफलता हेतु भौतिक वातावरण का स्वच्छ होना अति आवश्यक है इसलिए स्कूली वातावरण को नवीन ऊर्जा प्रदान करने हेतु नए कार्यालय भवन का निर्माण किया गया है जिससे समूचा स्कूल लाभान्वित होगा।

उल्लेखनीय है कि विद्यालय परिसर में प्रत्येक माह मासिक हवन का आयोजन किया जाता है। विश्व शांति, वातावरण शुद्धि और संस्कारों के संरक्षण हेतु मासिक हवन की यह परंपरा पिछले कई वर्षों से विद्यालय में चली आ रही है। इस मौके पर विद्यार्थी सहित सभी स्टाफ सदस्य एवं आसपास के गांव से पधारे कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

फिल्म निर्देशक अनिल फरमान का निधन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
महम, 18 फरवरी। क्षेत्र की प्रसिद्ध फिल्म कंपनी बाला जी मूवीज के निर्देशक अनिल फरमाना का लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। वे 51 वर्ष के थे। बेटे अंकित फरमान ने बताया कि उनके पिता आज से 9 साल पहले काला पीलिया की बीमारी से ग्रस्त हो गए थे। उनका गुरुग्राम स्थित एक से एक बड़े अस्पतालों में इलाज कराया लेकिन बचाया नहीं जा सका। सोमवार शाम तीन बजे अस्पताल में ही उंहोंने अंतिम सांस ली। उनकी बाला जी मूवीज कंपनी के बैनर तले अनेक फिल्म हीट हुई। जिनमें पैर पर पैर, यार गद्दार, वंश, चाहत, भूल सहित अनेक फिल्म शामिल है। वे अपने पीछे दो बेटों सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनका गांव फरमाना में अंतिम संस्कार किया गया जिसमें भारी मात्रा में क्षेत्र के लोगों ने भाग लिया।
फोटो:10

संपादक की कलम से

अंतर्मन से होता है प्रसन्नता का आविर्भाव (जीवन चिंतन)

प्रसन्नता या खुशी मानव की एक सकारात्मक भावना है। वास्तव में, जब किसी व्यक्ति की किसी प्रकार की इच्छा की पूर्ति हो जाती है तो वह व्यक्ति विशेष बहुत ही खुश होता है। कहना गलत नहीं होगा कि इच्छाओं के अनुकूल काम होने पर व्यक्ति प्रसन्नता या खुशी का अनुभव करता है। इसके अलावा, किसी अचानक लाभ से लाभांवित होने,किसी जटिल समस्या का समाधान प्राप्त होने, मनमाफिक सफलता प्राप्त करने पर भी व्यक्ति को खुशी का अनुभव होता है ।खुशी एक ऐसी चीज है जिसे हर कोई पाना चाहता है ।सरल शब्दों में कहें तो आम तौर पर, खुशी एक भावनात्मक स्थिति है जो आनंद, संतुष्टि, संतोष और पूर्णता की भावनाओं से जुड़ी होती है ।खुशी आनंद और प्रशंसा की तीव्र भावना ही तो है ।सच तो यह है कि खुशी मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं तथा खुशहाली की कुंजी हैं ।यह भी एक तथ्य है कि खुशी संस्कृति, मूल्यों और जीवन के चरणों के साथ बदलती रहती है ।कुल मिलाकर यह बात कही जा सकती है कि नकारात्मक भावनाओं की तुलना में अधिक सकारात्मक भावनाओं का अनुभव करना ही खुशी है ।खुशी या प्रसन्नता जीवन में उद्देश्य और संतुष्टि की हमारी समग्र भावना को दशार्ती है। कहना चाहूंगा कि प्रसन्नता और खुशहाली की प्रबल भावना से हमारे रिश्ते बेहतर होते हैं, हमारा सामाजिक जुड़ाव बढ़ता है और दूसरों के जीवन में योगदान भी बढ़ता है, साथ ही इसके कारण (खुशी के कारण) स्वस्थ शारीरिक खुशहाली में भी योगदान होता है। वास्तव में, खुशहाली हमारी खुशी और जीवन की संतुष्टि का मूल आधार है। खुशी हमारे भीतर से आती है। यह आंतरिक भावना है ।यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं और क्या करते हैं ।कृतज्ञता का दृष्टिकोण विकसित करके, दूसरों की मदद करके,अच्छी नींद और व्यायाम के साथ सक्रिय बने रहकर और अपने शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखकर तथा अपने समाज,समुदाय से जुड़कर, माइंडफुलनेश का अभ्यास करके हम अपनी खुशियों में इजाफा कर सकते हैं। कृतज्ञता तो बहुत बड़ी चीज है। सबसे बड़ा योगदान कृतज्ञता का ही होता है हमारी खुशियां बढ़ाने में। वास्तव में, कृतज्ञता का अभ्यास करने से हमें अपनी वर्तमान स्थिति को स्वीकार करने, स्वयं में (और दूसरों में) अच्छे गुणों की सराहना करने और अधिक खुश महसूस करने में मदद मिलती है। आदमी हमेशा खुशी की उम्मीद में जीवन जीता है।

कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में कभी भी दुःखी या अप्रसन्न नहीं होना चाहता है। वास्तव में हम जो कुछ भी अपने जीवन में करते हैं, खुश रहने के लिए ही करते हैं। खुश रहने के लिए आदमी क्या नहीं करता ? वह मेहनत करता है।अपना सर्वोत्तम करने का प्रयास करता है। और तो और व्यक्ति अपने जीवन में खुश रहने के लिए अलग-अलग कलाओं और हुनर तक को अपनाता है। ऊपर बता चुका हूं कि खुशी आंतरिक होती है। खुशी कभी बाह्य नहीं हो सकती है। यदि खुशी बाह्य है तो उसे हृदय में उपजी खुशी नहीं कहा जा सकता है। बाह्य खुशी तो हमेशा दूसरों को दिखाने मात्र के लिए होती है। यदि हमारी अंतरात्मा खुश है, तो हम वास्तव में खुश हैं। जब हम खुश होते हैं तो हम ईश्वर से ही साक्षात्कार कर रहे होते हैं, क्यों कि खुशी और ईश्वर का ही स्वरूप है।आज मनुष्य को जरूरत इस बात की है कि वह खुशी को प्राप्त करना सीखे, क्यों कि इस ब्रह्मांड में चहुंओर खुशियां ही खुशियां बिखरी पड़ी हैं। वास्तव में खुशी के लिए हमें अंतर्मन, अपनी आत्मा में देखने, उसमें झांकने की जरूरत है। आप यकीन मानिए कि जब हम अपने भीतर झांककर देखते हैं और एक पल के लिए इससे हमें संतुष्टि का एहसास होता है और यह संतुष्टि ही वास्तव में हमें खुशी देती है। वास्तव में खुशी का स्रोत बाहरी नहीं है, आंतरिक है, हमारी अंतरात्मा है,हमारा मन है। सच तो यह है कि हमारी आंतरिक आत्मा आनंद और खुशियों से भरी हुई है।

कहना गलत नहीं होगा कि आत्मा का अनुभव करने के लिए, आत्मा के करीब आने के लिए ही हमें योग और ध्यान का अभ्यास करना चाहिए। योग और ध्यान से हमें शांति का अनुभव होता है और शान्ति में ही ईश्वर की असली अनुभूति हो सकती है। आत्मा का परमात्मा से मिलन का एक माध्यम है योग और ध्यान। यदि हमारे अंतर्मन में शान्ति होगी तो हम मानवता का दीप जलाने की ओर अग्रसर होंगे। मानव, मानव के लिए सहृदयता से, शान्ति से काम करेगा तो निश्चित ही हमें आनंद और खुशी की अनुभूति होगी। आज मनुष्य को जरूरत इस बात की है कि वह अपनी सोई हुई आत्मा को जगाए। हर मनुष्य के भीतर एक दिव्य ऊर्जा होती है। हमें जरूरत इस बात की है कि हम इस दिव्य ऊर्जा को जगाएं। योग और ध्यान हमें आत्म स्थिति तक ले जाने का काम करता है। कहना गलत नहीं होगा कि योगिक अभ्यास भीतर की ओर मुड़ने का विज्ञान और तकनीक है। सच तो यह है कि मानव कल्याण और मुक्ति के लिए 'अंदर ही एकमात्र रास्ता है।'वास्तव में, योग और ध्यान से हम भौतिकता से परे आत्मसाक्षात्कार की ओर बढ़ते हैं और जब हम स्वयं को जान जाते हैं तो दुनिया को भी जान जाते हैं।

माँ का साथ

मां उदासी को खुशी में बदलती,
है फूलों के उद्यान की महक सी,
आकाश के अंबर जैसी है ममता,
देख उत्थान बच्चों का चेहरा दमकता,
वह दीए में जैसे बाती,
उसी से घर में रौनक आती,
अनुभव भरी हर उसकी बात,
जीवन भर नहीं भूल सकता मां का साथ।
मां हर दुख की थी हल,
आंखों के सामने चेहरा घूमता सकल,
पल भर में निकालती पैरों में चुभे शूल,
नहीं सकता उसकी बातों को भूल,
भूखे पेट को भर देती बनाकर खाना,
हृदय से कम नहीं हुई उसकी चाहना,
माँ है लोरी जब होती रात,
जीवन भर नहीं भूल सकता मां का साथ।
मां का हृदय समुद्र जैसा विशाल,
शांति से हल करती सभी प्रश्नों के सवाल,
बिना उसके जीवन अपूर्ण,
सृष्टि की आधारशिला है संपूर्ण,
पर्वत की तरह डटकर मुसीबत से करे सामना,
खुशहाल रहे परिवार का हर सदस्य यही कामना,
लिखने लगूंगा तो पूर्ण नहीं होगी किताब,
जीवन भर नहीं भूल सकता मां का साथ।
जग में मां की ऊंची सोच,
दुनिया की ठोकरों को रखती रोक,
दुनिया में नहीं दूसरा उसके जैसा,
सहनशील व्यवहार गजब है कैसा,
उसके चले जाने पर नहीं कोई पूछता,
मनाने नहीं कोई आता भले ही रूठता,
माँ है तो हर बुराई को दे सकता मात,
जीवन भर नहीं भूल सकता मां का साथ।

-डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

जागरूकता से ही होगा कैंसर रोग पर नियंत्रण

कैंसर बीमारियों का एक जटिल समूह है जिसकी विशेषता असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि और प्रसार है । इसमें 100 से अधिक विभिन्न रोग शामिल हैं जो शरीर के विभिन्न अंगों को प्रभावित करते है। ये कोशिकाएं ट्यूमर नामक द्रव्यमान का निर्माण कर सकती हैं। जो शरीर के सामान्य कामकाज में हस्तक्षेप कर सकती हैं। जबकि कैंसर किसी को भी प्रभावित कर सकता है। इन्हें कार्सिनोमा, सारकोमा, ल्यूकेमिया और लिम्फोमा जैसे प्रकारों में वगीर्कृत किया जाता है। इसके कारणों में आनुवंशिक, पर्यावरणीय और जीवनशैली कारक शामिल हैं, जिनमें अस्पष्टीकृत वजन घटाने से लेकर लगातार थकान तक के लक्षण शामिल हैं। कैंसर की रोकथाम में जीवनशैली में बदलाव जैसे कि तंबाकू से परहेज, स्वस्थ आहार और टीकाकरण शामिल हैं। प्रभावी प्रबंधन और शुरूआती पहचान के लिए जागरूकता और ज्ञान महत्वपूर्ण है।

कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसकी रोकथाम, पहचान और उपचार को प्रोत्साहित करने के लिए 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। विश्व कैंसर दिवस का जन्म 4 फरवरी 2000 को पेरिस में न्यू मिलेनियम के लिए कैंसर के खिलाफ विश्व शिखर सम्मेलन में हुआ था। विश्व कैंसर दिवस का प्राथमिक लक्ष्य कैंसर और बीमारी के कारण होने वाली मौतों को कम करना है। 1933 में अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ ने स्विट्जरलैंड में जिनेवा में पहली बार विश्व कैंसर दिवस मनाया था।

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही घबराहट होने लगती है। कैंसर से पीड़ित व्यक्ति बीमारी से अधिक तो कैंसर के नाम से डर जाता है। जिस व्यक्ति को कैंसर होता है वह तो गंभीर यातना से गुजरता ही है उसके साथ ही उसका परिवार को भी बहुत कष्टमय स्थिति में गुजरना पड़ता है। जानलेवा होने के साथ ही कैंसर की बीमारी में मरीज को बहुत अधिक शारीरिक पीड़ा भी झेलनी पड़ती है। कैंसर की बीमारी इतनी भयावह होती है जिसमें मरीज की मौत सुनिश्चित मानी जाती है। बीमारी की पीड़ा व मौत के डर से मैरिज घुट-घुट कर मरता है। इस दिन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने, लोगों को शिक्षित करने, इस रोग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दुनिया भर में सरकारों और व्यक्तियों को समझाने तथा हर साल लाखों लोगों को मरने से बचाने के लिए मनाया जाता है।

नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा है कि देश के अधिकांश क्षेत्रों में कैंसर की सही निगरानी नहीं हो पा रही है। जिस कारण अधिकांश मामलों में बीमारी का देरी से पता चल रहा है। देश के सभी शोध केंद्रों को पत्र लिख आईसीएमआर ने कैंसर की जांच और निगरानी को आसान बनाने के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। देश के सभी जिलों में कैंसर निगरानी और जांच को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान के तहत नई नीति बनाने के लिए आईसीएमआर को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके लिए अलग-अलग शोध टीमें गठित होंगी और भौगोलिक व स्वास्थ्य सेवाओं की मौजूदा स्थिति के आधार पर वैज्ञानिक तथ्य एकत्रित किए जाएंगे। दुनिया भर में हर साल एक करोड़ से अधिक लोग कैंसर की बीमारी से दम तोड़ते हैं। जिनमें से 40 लाख लोग समय से पहले (30-69 वर्ष आयु वर्ग) मर जाते हैं। इसलिए समय की मांग है कि इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ कैंसर से निपटने की व्यावहारिक रणनीति विकसित करनी चाहिये। 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों के बढ़कर प्रति वर्ष एक करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों में 25 प्रतिशत कमी के लक्ष्य को हासिल किया जाए तो हर साल 15 लाख जीवन बचाए जा सकते हैं।

अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा कैंसर मरीज भारत में है। 2020 में 1.93 करोड़ नए कैंसर मरीज सामने आए हैं। जिनमें 14 लाख से अधिक भारतीय हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार देश में कैंसर के मामलों की संख्या 2022 में 14.6 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है। जिसके लिए सरकार को चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। तभी समय पर कैंसर मरीजों की जांच से पहचान कर सही उपचार कर देकर उनकी जान बचाई जा सकती है।

भारत में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की नैशनल कैंसर रजिस्ट्री के आंकड़ें बताते हैं कि देश में 2023 में कैंसर के मामले 15 लाख तक पहुंच गए हैं। इसके अलावा ऐसे हजारों केस भी होंगे जिनका आंकड़ा नहीं मिल पाता होगा।

भारत में कैंसर के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही हैं। 2040 तक भारत में कैंसर के मामले 2020 की तुलना में 57.5% बढ़कर 20लाख 80हजार हो जाएंगे। (आईसीएमआर) के मुताबिक भारत में हर साल 1.3 मिलियन से ज्यादा नए कैंसर के मामले सामने आते हैं।

कैंसर रोग का इलाज करने वाले डॉक्टरों का भी मानना है कि यह खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कैंसर रोग की शुरूआती पहचान, जोखिम में कमी और प्रबंधन जैसे उपाय जरूरी है।

(आईसीएमआर) के आंकड़ों को देखें तो 2021 में कैंसर के 1426447 मामले नैशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम में दर्ज किए गए। 2022 में यह संख्या बढ़कर 1461427 हो गई और 2023 में 1496972 केस सामने आए। हर 9 में से से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने की संभावना है। पुरुषों में फेफड़े और महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के काफी मामले सामने आ रहे हैं। 14 वर्ष तक की आयु में लिम्फोइड ल्यूकेमिया का खतरा बढ़ा है। 2020 की तुलना में 2025 में कैंसर के मामलों में 10 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी का अनुमान है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में कैंसर से साल 2020 में 7,70,230, 2021 में 7,89,202 और 2022 में 8,08,558 लोगों की मौत हुई है।

विश्व कैंसर दिवस 2025 की थीम यूनाइटेड बाय यूनिक है, जो कैंसर के खिलाफ लड़ाई में व्यक्तिगत, रोगी-केंद्रित देखभाल की महत्वपूर्ण भूमिका को परिभाषित करती है। कैंसर का पता लगाने, कैंसर के प्रकार और कारण, डायग्नोस और उपचार में काफी प्रगति हुई है। लेकिन अफसोस की बात है कि दुनिया की ज्यादातर आबादी के पास अभी भी बुनियादी स्वास्थ्य सेवायें नहीं पहुंच पायी है। जिसमें गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल, रेगुलर टीकाकरण, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं और पुरानी बीमारी का इलाज शामिल है। कैंसर की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाकर, हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स को ट्रेनिंग देकर, इफेक्टिव कम्यूनिटी बेस्ड प्लान को लागू करके, हम इस बीमारी से बचाव कर सकते हैं।

विश्व कैंसर दिवस दुनिया पर कैंसर के प्रभाव को कम करने के लिए सभी के लिए मिलकर काम करने का एक अवसर है। जागरूकता बढ़ाकर, शिक्षा को बढ़ावा देकर, दूसरों को नैतिक रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करके और कैंसर के खिलाफ लड़ाई में समर्थन देकर ऐसे लोगों का जीवन बचाना है जिसे रोका और ठीक किया जा सकता है। एकजुट होकर और कार्म करके हम इस बीमारी से हमारे स्वास्थ्य, हमारी अर्थव्यवस्था और एक समाज के रूप में हमारी आत्माओं पर पड़ने वाले असर को कम कर सकते हैं।

कैंसर दुनियाभर में मौत का प्रमुख कारण बना हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में लगभग एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर से हुइ थी।

जिसमें ब्रेस्ट और लंग कैंसर के सबसे अधिक मामले सामने आए थे। डब्लूएचओ के अनुसार दुनिया भर में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने से कैंसर के कारण होने वाली मौतों की संख्या को 30-50 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिल सकती है। कैंसर की चुनौती से निपटने का सबसे अच्छा तरीका इस मुद्दे के बारे में लोगों से बातचीत शुरू कर के जागरूकता बढ़ायी जाये। तभी कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से लोगों की जीवन रक्षा की जा सकेगी।

हौवा न बनाएं परीक्षा को

डॉ० घनश्याम बादल

भीषण प्रतिद्वन्दिता के इस युग में ह्यपरीक्षा' शब्द अच्छो - अच्छो की हवा निकाल देता है । सरकार ने कितने ही प्रयास किए पर परीक्षा का भय खत्म नहीं हुआ उल्टे हुआ यह कि पठन पाठन की गुणवत्ता रसातल में चली गई । एक बार फिर से परीक्षा का हौवा बोर्ड परीक्षा के रूप में बच्चों को को डराने आ गया है । आखिर क्या करें कि परीक्षा का तनाव , भय व बुखार कम हो सके।

हटाएं अपेक्षा का बोझः

इन दिनों सी बी एस सी के दसवीं के साथ ही 12 वीं की कक्षाओं के विद्यार्थियों की घबराहट आसानी से देखी जा सकती है । रात दिन का टेंशन , दिन भर की ट्यूशन की भागदौड़ और उस पर मां बाप की अपेक्षाओं का बोझ व अपनी महत्वाकांक्षाएं इन सब के चलते परीक्षा का खौफ खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है । हर मां बाप को चाहिए कि वह बच्चों को उत्कृष्ट करने के लिए तो प्रेरित करें पर अपनी अपेक्षाओं के बोझ से कोमल मन को तनावग्रस्त न करें , उन्हें अपनी सामर्थ्य व प्रतिभा के अनुसार परीक्षा देने दें

तुलना नहीं करें : परीक्षा के अंक प्रतिशत के आधार पर , पर एक की तुलना दूसरे से करना बच्चों का भारी अहित कर रहा है । आज भी हर बच्चे का मुल्यांकन उसे परीक्षा में मिलने वाली सफलता , असफलता अथवा प्रतिशत या सी0 जी0 पी0 ए0 से किया जाता है जो उचित नहीं है , पर समाज व मां बाप बदलने का नाम ही ले रहे हैं परिणामस्वरूप ह्यएग्जाम फोबियाह्ण का आतंक भी खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है जिसके चलते परीक्षा हौवा बन गई है हमें बच्चों को बताना होगा कि परीक्षा केवल एक खुद को आंकने का माध्यम है न कि फर्स्ट सेकिंड या मैरिट में आने की चूहा दौड़ ।

जीवन मरण नहीं परीक्षाः

एक आम मानसिकता है परीक्षा में सफलता को शिक्षा व आजीवका का एक मात्र साधन मान लिया गया है और कोई भी अभिभावक व छात्र इस सम्बन्ध में समझौता करने को कतई तैयार नहीं है ,वह परीक्षा में अपना सर्वस्व झोंक देना ही अंतिम लक्ष्य मान बैठे हैं।

ारीक्षा को हर तरह से जीवन मरण का प्रश्न बना लेना कहां तक उचित है इस प्रश्न पर विशेषज्ञो की राय समय समय पर आती रहती है । पर , राय अपनी जगह और पुरानी सोच अपनी जगह कायम है । ठीक है , परीक्षा जरुरी है पर , क्या परीक्षा को जीवन मरण का प्रश्न या कि अंतिम लक्ष्य मान लेना किसी भी दृष्टि से सही है ? हतोत्साहित महसूस कर रहे बच्चे को समझाएं कि पहले जीवन , फिर स्वास्थ्य और बाद में परीक्षा । जान है तो जहान है , डटकर परीक्षा दें , अपना सर्वश्रेष्ठ करने का प्रयास करें तो परीक्षा भी अच्छा परिणाम देगी ही ।

अंतिम प्रमाणपत्र नहीं परीक्षा :

परीक्षा केवल एक समय विशेष समय में किये गये प्रयास का एक छोटा सा मूल्यांकन ही तो है न कि इस बात का सर्टिफिकेट कि परीक्षार्थी को एक परीक्षा के आधार पर लायक या नालायक घोषित कर दें । परीक्षा को ऐसा ऐसा हथियार न बनाएं जो कि बच्चे का जीवन ही ले ले या फिर उसे ता उम्र इस बात के लिये धिक्कारता रहे कि वह एक परीक्षा में फेल हो गया था , अथवा एक परीक्षा विशेष में अच्छे अंक ले आने से उसे उम्र भर मेधावी की पदवी दे दी जाये । परीक्षा आपके अच्छे या बुरे होने का अंतिम प्रमाणपत्र नहीं है।। परीक्षा मंजिल का एक मील का पत्थर मात्र है , मंजिल नहीं इसी भाव से दें परीक्षा ।

बदलें मां बाप :

अच्छा हो कि परीक्षा को एक छोटी सी समयावधि में किये गये परिश्रम के परिणाम समझने तक ही सीमित करके देखने की आदत हम और हमारा समाज डाल ले अन्यथा परीक्षा नाम का खौफ ,आतंक और भय का ही प्रतीक बन हमारी आने वली पीढियों को डराता रहेगा, एक हौवा बना रहेगा।

परीक्षा नहीं ज्ञान हो पहचानः

भारत में परीक्षा को नौकरी, रोजी रोटी या समाजिक रुतबे से इतना ज्यादा जोड़ दिया गया है कि वह एक भयंकर खौफ का रूप ले चुकी है । होना तो यह चाहिये था कि शिक्षा को और परीक्षा को ज्ञानार्जन की भूख से जोड़ा जाए जिससे विद्यार्थी अधिक से अधिक सीखने का लक्ष्य हासिल करके अपने जीवन में सफल और सुखी हो ।

भूख की कड़वी सच्चाई

संयुक्त राष्ट्र संघ की फूड वेस्ट इंडेक्स सर्वे के अनुसार 2024 में हर एक नौ में से एक व्यक्ति पर्याप्त भोजन तथा आवश्यक पोषक तत्वों से वंचित रह जाता है' संयुक्त राष्ट्र संघ के स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार पूरी दुनिया में एड्स, मलेरिया ,टीवी और करोना 2021,23 में जितने व्यक्ति की मृत्यु हुई है उससे कहीं ज्यादा लोग भुखमरी से ग्रस्त होकर भगवान को प्यारे हो गए है ' संयुक्त राष्ट्र संघ के आंकड़ों के अनुसार ही पूरी दुनिया में गरीबों की संख्या लगभग 130 करोड़ है और दूसरी तरफ दुनिया में सर्वाधिक गरीब व्यक्ति भारत में निवासरत हैं' संयुक्त राष्ट्र संघ पर्यावरण कार्यक्रम के अंतर्गत फूड वेस्ट इंडेक्स 2024 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 93 करोड़ लाख तक खाना कूड़े करकट के रूप में बर्बाद हुआ है' जिनमें घरों से निकला हुआ भोज्य पदार्थ का कूड़ा करकट लगभग 55%, होटल रेस्टोरेंट एवं अन्य बाजार के भोजन बेचने वालों 24% तथा अन्य क्षेत्र में लगभग 22 से 24% भोजन बर्बाद हुआ है' पूरे विश्व में भोजन के बर्बाद होने से भुखमरी के आंकड़े और भी बढ़ गए हैं' बड़ी हैरानी और हैरतअंगेज बात यह है कि पूरे विश्व में प्रति व्यक्ति 1 साल में लगभग 122 से 124 किलोग्राम भोजन बर्बाद कर देता है' भारत में प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष 50 किलो ,अफगानिस्तान 82 किलो, नेपाल 79 किलो ,श्रीलंका 76 किलो, पाकिस्तान 74 किलो और भूटान जैसा छोटा देश 79 किलो भोजन बर्बाद करता है' भोजन बर्बाद करने की एवं भोजन को कूड़ा करकट बनाकर फेंकने की कुसंस्कृति ही लगातार कई देशों को गरीब से गरीबतर बनाते जा रही है' पूरे विश्व स्तर पर विकसित विकासशील एवं गरीब देश भोजन की निर्मम बबार्दी करते आ रहे हैं' एक तरफ संयुक्त राष्ट्र संघ भुखमरी उन्मूलन के लिए अभियान छेड़ कर रखा है जिसका नाम दिया गया है जीरो हंगर यानी कि भुखमरी शून्य स्तर पर लाने का प्रयास जारी है पर इस अभियान में विकासशील ,गरीब तथा विकसित देश अपने देशों में खाद्य पदार्थ के अपशिष्ट को फेंक कर अवरोध पैदा करने में कोई कमी बेसी नहीं छोड़ रहे हैं। वर्तमान परिदृश्य में कुछ विकासशील देशों में बढ़ती जनसंख्या और लगातार गिरते अनाज के उत्पादन के साथ-साथ अन्न की निर्मम बबार्दी की वजह से दुनिया भर में भूख और भुखमरी से पैदा होने वाली समस्याओं तथा भुखमरी से मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह भारत देश का दुर्भाग्य है की कृषि मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार कि भारत में करीब 50 हजार करोड़ की कीमत का हर साल अपशिष्ट के रूप में अन्न बर्बाद होता है, शायद आपको अंदाजा ना हो कि इतना अनाज बिहार जैसे बड़े राज्य की जनसंख्या को 1 वर्ष तक अन्य की आपूर्ति कर सकता है। भोजन की बबार्दी एक सामाजिक अपसंस्कृति एवं कुसंस्कृति की तरह व्याप्त होती जा रही है, विवाह समारोह अन्य उत्सव बफे सिस्टम एवं अन्य सामाजिक समारोह में अपनी थाली में ज्यादा से ज्यादा भोजन लेकर उसे बर्बाद कर देने की प्रवृत्ति अब आम हो गई है और थाली में पड़ा हुआ अनाज या तो सड़ जाता है अथवा बाहर फेंक दिया जाता है। भोजन की इस तरह बबार्दी एक तरह से कुसंस्कृति को बढ़ावा देकर एक सामाजिक बुराई के रूप में सामने आ रही है। अनाज को थाली या कूड़ेदान में फेंक देने से उससे केवल अनाज की बबार्दी नहीं होती बल्कि ऊर्जा, जल ,पोषक तत्वों की बबार्दी होती है।

अलावा इसको पैदा करने वाले किसानों को भी एक तरह निराशा का सामना करना पड़ता है अनाज उत्पादन के लिए जितनी मेहनत मशक्कत किसान करता है उसके अलावा खेती की जमीन बढ़ाने के लिए वनों का विनाश भी बड़ी तेजी से हो रहा है एवं उस जमीन की उर्वरा शक्ति का भी निरंतर क्षरण हो रहा है ।लगातार रसायनिक खादों रासायनिक तत्वों के उपयोग के कारण मिट्टी की गुणवत्ता तो खराब हो ही रही है। इसके अलावा पर्यावरण एवं वातावरण भी खराब होता जा रहा है एवं खाद्य पदार्थ के अपशिष्ट छोड़ने से जानवरों की खाने से जानवरों को भी जीवन का खतरा बनते जा रहा है। इससे अन्य संक्रामक बीमारियां भी फैलने का खतरा बढ़ने लगा है। अनाज को अपशिष्ट के रूप में बर्बाद करने से न सिर्फ अनाज बर्बाद होता है बल्कि किसान की मेहनत जमीन का क्षरण उसमें लगने वाली सिंचाई के लिए पानी की बबार्दी एवं समय का दुरुपयोग भी माना जाता है। हमारे द्वारा जो भोजन का अपशिष्ट पदार्थ कूड़ेदान में छोड़ दिया जाता है उसकी वजह से वैश्विक अनुसंधान से यह बताया गया है की ग्रीन हाउस गैस ने 10 से 15% तक का इजाफा होता है खराब पदार्थों से गैस उत्सर्जन के कारण वैश्विक स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग का भी खतरा दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहा है। पदार्थ को छोड़ने से वातावरण दूषित होता है एवं संक्रामक बीमारियां न सिर्फ जानवरों में बल्कि इंसानों में भी तेजी से फैलने लगती है एवं इंसान की मौत तक होने लगी है। संयुक्त राष्ट्र संघ की ताजा रिपोर्ट के अनुसार यदि भोजन के अपशिष्ट पदार्थ इसी तरह थोड़े जाएंगे तो कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन से मानव जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा बढ़ सकता है एवं मनुष्य घुट घुट कर जीने के लिए मजबूर हो सकता है। भारत विशेष के संदर्भ में यह केवल देश के नागरिकों को ही सलाह दी जा सकती है कि वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा गरीबी वाले देश में अनाज एवं भोजन की बबार्दी से बचें जिससे अनाज का सदुपयोग भूखे तथा जरूरतमंदों को मुहैया कराया जा सके एवं अपशिष्ट पदार्थों छोड़ने से ग्लोबल वार्मिंग तथा हानिकारक संक्रमण से बचा जा सकेगा।

संजीव ठाकुर ,संकलनकर्ता, स्तंभकार, चिंतक, लेखक,रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

चौकीदार से मारपीट कर छीनी नकदी, इनवर्टर-बैटरी चुराई, ऑफिस में लगाई आग

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 18 फरवरी। गांव भावदीन में स्थित ईंट-भट्टे पर सो रहे चौकीदार के साथ मारपीट कर कुछ लोगों ने 2 हजार रूपए की नकदी छीन ली। यही नहीं आरोपियों ने ऑफिस में पड़ा इनवर्टर-बैटरी चोरी कर कार्यालय में आग लगा दी और मौके से भाग गए।

पुलिस को दी शिकायत में गांव संगर निवासी प्रेम कुमार ने बताया कि वह गांव भावदीन में स्थित शांति ईंट-भट्ठे पर चौकीदार है। बीती 16 फरवरी की रात को वह ईंट-भ्रे पर सो रहा था। इसी दौरान उसे किसी व्यक्ति के आने की आहट हुई। तभी 4-5 व्यक्ति आ गए, जिनके हाथों में कुल्हाड़ी व अन्य तेजधार हथियार थे। दो लोगों ने उसे पकड़ लिया और एक ने उसकी जेब से 2 हजार रूपए की नकदी निकाल ली। आरोपियों ने कार्यालय में लगे इनवर्टर-बैटरी को चोरी कर कार्यालय में आग लगा दी। इसके बाद आरोपी बाइक लेकर गांव भावदीन की ओर भाग गए। उसने किसी तरह भट्ठे के मालिक को सूचना दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

भाजपा ने दुड़ाराम को बनाया सिरसा का प्रभारी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 18 फरवरी। जिला में नगर परिषद चुनाव में प्रमुख पार्टियों के चेयरमैन उम्मीदवार मैदान में उतर चुके हैं। मुख्य मुकाबला सत्ताधारी भाजपा और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है। मगर चुनाव प्रबंधन की तैयारियों में अभी तक भाजपा सबसे आगे चल रही है। भाजपा ने चेयरमैन और वार्ड पार्षद प्रत्याशियों की सूची जारी करने से लेकर चुनाव प्रभारी तक बनाने में पहल की है। भाजपा ने पड़ोसी जिले फतेहाबाद से पूर्व विधायक और पूर्व सीएम स्व. भजनलाल के भतीजे दुड़ाराम को नगरपरिषद का चुनाव प्रभारी लगाया है। पूर्व विधायक दुड़ाराम स्थानीय नेताओं के साथ जनसभाओं से लेकर चुनाव प्रबंधन तक की जिम्मेदारी संभालेंगे।

कांग्रेस नेताओं ने विधायक के प्रत्याशियों से बनाई दूरी:

दूसरी तरफ, कांग्रेस से चेयरपर्सन उम्मीदवार जसविंदर कौर विधायक गोकुल सेतिया गुट की होने के कारण बाकी प्रमुख कांग्रेसी नेता अभी प्रचार में नहीं उतरे हैं। नामांकन के दौरान भी विधायक गोकुल को छोडकर अन्य स्थानीय कांग्रेसी नेता नजर नहीं आए थे। हालांकि, गोकुल सेतिया ने अपनी ओर से पार्षद प्रत्याशियों की सूची जारी करके खुद को मजबूत दशार्ने की कोशिश की है। नामांकन के बाद विधायक गोकुल सेतिया ने सभी पार्षद प्रत्याशियों व चेयरपर्सन उम्मीदवार के साथ बैठक भी की।

पार्टी सिंबल पर सिर्फ भाजपा के प्रत्याशी:

दिलचस्प बात यह है कि पार्टी सिंबल पर अकेले भाजपा के ही पार्षद प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में प्रचार अभियान में चुनाव निशान बताने में भाजपा के प्रत्याशियों को फायदा मिल रहा है। बाकी प्रत्याशियों को आगामी दिनों में चुनाव निशान अलॉट होंगे।

अवैध अतिक्रमण से बहल की मुख्य सड़के हुई बदहाल

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 18 फरवरी। बहल कस्बे की मुख्य सड़क हर दिन हर पल सिकुड़ती जा रही है और सड़क के दोनों किनारे अतिक्रमण इस कदर स्थापित हो गए हैं कि राहगिरों की सुविधा को छोड़े गए फुटपाथ पर दुकानदारों ने अतिक्रमण खड़े कर दो पांव को जगह छोड़ी नहीं हैं और ऐसे में दुकानदार रेहड़ी फड वालों के दो वक्त के निवाले के पीछे पड़े हैं। आपसी लड़ाई झगडे में उलझे रहते हैं। अतिक्रमण रोकने, जाम की व्यवस्था से उबारने में व्यवस्थापकों की स्थिति संदेहास्पद बनी हुई है। अतिक्रमण करने वालों छुट के चलते रेहड़ी-पटरी वालों को दबाया जाता है। इससे इनके रोजी-रोटी प्रभावित होती रहती है। 82.6 फीट सुधिवास-असंध सड़क मार्ग अब सिकुड़ कर 25 से 30 फीट तक रह गया है। दुकानदारों ने अपनी दुकानों के सामने 15 फीट तक के टीन शैड़ लगाकर इससे भी आगे अनाधिकृत काउंटर, टेबल लगाकर फूटपाथ को अपने उपयोग में ले लिया है और रेहड़ी फड़ी वालों को पुलिस व विभाग के अधिकारी, कर्मचारी परेशान करते रहते हैं। कुछ दुकानदारों ने पुख्ता अवैध निर्माण कर प्रशासन को ठेंगा दिखा रहे और पुलिस भी उनकी मदद में खड़ी नजर आती है। इसको लेकर प्रदेश सरकार के मंत्री, अधिकारियों को बार बार ट्वीट करने के बावजूद भी शिकायत व समस्या के ध्यानाकर्षण का भी प्रभाव नहीं दिखाई देता। अब स्थिति यह बन आई की रेहड़ी फड़ी वालों व दुकानदारों के विवाद चिंता का विषय बना है। कस्बे तालुक रखने वाले हर व्यक्ति की जुबान पर एक ही सवाल की कब तक यूं लगते रहेंगे यातायात के जाम और अतिक्रमण की अति के चलते रेहड़ी फड़ी वालों के विवादों से कब छूटेगा पीछा। कब बनेंगे सड़क के डिवाइडर, कब बनेगी बाईपास यह सवाल बार-बार उठते रहें हैं। वर्षों से प्रतिक्षित कस्बे का बाईपास बस सड़क के डिवाइडर बनाने की योजना आखिर सिरे क्यों नहीं चढ़ रही है यह भी सवाल उठाया जाता है।

निकाय चुनाव : अंतिम दिन मेयर पद के लिए 8 ने किया नामांकन

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र कुमार

हिसार, 18 फरवरी। नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद फिलहाल मेयर पद के लिए आठ उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें एक निर्दलीय तौर पर सामने आए रामनिवास राडा बीते विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी रह चुके हैं। इनके अलावा कांग्रेस से कृष्ण सिंगला टीटू व भाजपा से प्रवीण पोपली मैदान में हैं। मेयर पद के आठ दावेदारों के अलावा अलग अलग वाड्र्स के लिए पार्षद पद के लिए भी उम्मीदवारों ने नामांकन भरा है।

निकाय चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी कम सीईओ जिला परिषद हरबीर सिंह ने बताया कि अंतिम दिन मेयर पद के लिए 8 नामांकन आये है। जिन्होंने मेयर पद के लिए नामांकन भरा है, उनमें होशियार सिंह, प्रवीण कुमार, कृष्ण कुमार, गुरप्रीत सिंह, सुरेंद्र कुमार, रामनिवास राड़ा, मीरा, सुरेंद्र शामिल है। उन्होंने कहा कि पार्षद पद के लिए अब तक कुल 118 नामांकन आये है। मेयर पद और पार्षद पद को मिला कर कुल 128 नामांकन हो गए है। निकाय चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी कम सीईओ जिला परिषद हरबीर सिंह ने बताया कि पार्षद पद के लिए वार्ड 1 से 5 तथा वार्ड 2 से 6 नामांकन आये है। इसी तरह से वार्ड 3 से 3, वार्ड 4 से 4 और वार्ड 5 से 4 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन दाखिल किए है। उन्होंने बताया कि वार्ड 6 से 8, वार्ड 7 से भी 8 नामांकन आये है। इसके अलावा वार्ड 8 से 9, तथा वार्ड 9 से 5 लोगों ने अपने नामांकन दाखिल किए है। वहीं, वार्ड 10 से 6, वार्ड 11 से 8, वार्ड 12 से 3 उम्मीदवारों ने चुनाव लड? के लिए नामांकन भरा है। इसके अलावा वार्ड 13 की अगर बात करें तो यहां से 3, वार्ड 14 से 4, वार्ड 15 से भी 4 लोगों ने नामांकन भरा है। वहीं, वार्ड 16 से 8, वार्ड 17 से 6 तथा वार्ड 18 से 7 लोगों ने नामांकन भरा है। इसके अलावा वार्ड 19 से 5 तथा वार्ड 20 से 3 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन दाखिल किया है। उन्होंने बताया कि अब तय शेड्यूल के मुताबिक इनके नामांकन की छटनी प्रक्रिया होगी।

श्री श्याम बगीची धाम का तीसरा स्थापना महोत्सव:11वें दिन भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन

- आज समापन पर खेली जाएगी फूलों की होली- तू कृपा कर बाबा कीर्तन करवाएंगा... भजन पर झूमे श्रद्धालु

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 18 फरवरी। अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से मंदिर के तीसरे 12 दिवसीय स्थापना महोत्सव के 11वें दिन सोमवार को भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन किया गया।

मंदिर के मुख्य सेवक पवन गर्ग ने बताया कि बाबा श्याम का दरबार प्रतिदिन भव्य रुप से सजाया जाता है। सोमवार को रोहित जैन ने परिवार सहित पूजा अर्चना में भाग लिया। रोहित जैन भंडारे में जल की सेवा निरंतर दे रहे हैं। मंदिर के पुजारी राकेश शास्त्री, हितेश शर्मा व ललित शर्मा ने पूजा अर्चना संपन्न करवाई व बाबा श्याम की पावन ज्योत प्रज्जवलित की गई। राजेंद्र गनेरीवाला ने सदैव की भांति गणेश वंदना और हनुमान चालीसा

से भजन संध्या का आगाज किया। गनेरीवाला ने भजन- हारे के सहारे आजा मेरा दिल ये पुकारे आजा, तू मेरा मैं तेरा मुझे श्याम से मिला दे, मेरे शीश के दानी का सारे जब में डंका बाजे सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए। इसके बाद आदमपुर से आए भजन गायक राघव ने भजन- मेरा परिवार तेरे हवाले खाटू वाले, हम तो बाबा के सहारे चलते है, मेरा छोटा सा परविार आ जाओ इक बार, ओ खाटू वाले बाबा तेरा ही सहारा है, खाटू वाले श्याम बाबा तेरी शरण में आ गया, ताने सुन सुन कर तेरे दरबार में आया हूं सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए। बाद में दिल्ली से आई किशोरी कनिष्का ने भजन- भगतों के घर सांवरे आते रहा करो, मेरा कोई ना सहारा बिन तेरे, दिन दीवाना हो गया मेरा दिल दीवाना हो गया, मनिहारी की भेष बनाया श्याम चूड़ी बेचने आया, हाथों में मोर छड़ी ले बाबा लहराएगा, भर दे श्याम झोली भर दे, बाबा तणै घर ले चालूं पतली सी पिताम्बरी सीया मरगो रै, तू कृपा कर बाबा कीर्तन करवाएंगा, गजब मेरे खाटू वाले गजब मेरे भाग निराला सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी। किशोरी कनिष्का के द्वारा प्रस्तुत किए गए धमाल पर श्यामप्रेमी नाचने पर मजबूर हो गए। रात को बाबा श्याम को भोग लगाकर बाबा श्याम की रसोई का प्रसाद वितरित किया गया। भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम की रसोई का प्रसाद ग्रहण किया। पवन गर्ग ने बताया कि महोत्सव के समापन पर आज बाबा के साथ फूलों से होली खेली जाएगी।

निकाय चुनाव: किसके सिर सजेगा चेयरमैन का ताज?

चेयरमैन के 9, पार्षदों के लिए आए 141 नामांकन। नामांकन वापसी के बाद बनेंगे असली समीकरण

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 18 फरवरी। नगर परिषद सिरसा के आम चुनाव के लिए सोमवार को नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन प्रधान पद के लिए कुल नौ नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं। वहीं वार्ड सदस्य पद के लिए सोमवार को 128 नामांकन पत्र प्राप्त हुए। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम राजेंद्र कुमार ने बताया कि प्रधान पद के लिए अब तक कुल नौ आवेदन प्राप्त हुए हैं, वहीं वार्ड सदस्य पद के लिए मिले 128 नामांकन पत्र सहित अब तक कुल 141 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं। गौरतलब है कि शहर के 32 वार्डों से 141 प्रत्याशियों में से 32 भाजपा के प्रत्याशियों को छोडकर बाकी सभी ने निर्दलीय के तौर पर फॉर्म भरा है।

चेयरमैन के लिए ये हैं प्रत्याशी:

रिर्टनिंग अधिकारी ने बताया कि प्रधान पद के लिए राजेंद्र कुमार, कविता रानी, जसविंद्र कौर, हरमीत, प्रवीण कुमार, शांति स्वरूप, ओमप्रकाश, अशोक कुमार, अरविंद कुमार ने नामांकन पत्र दाखिल किया है।

उल्लेखनीय है कि शांति स्वरूप भाजपा हलोपा के संयुक्त प्रत्याशी हैं। वहीं जसविंद्र कौर को विधायक गोकुल सेतिया का समर्थन प्राप्त है। इसी प्रकार कविता रानी ने आम आदमी पार्टी, प्रवीन कुमार ने जजपा तथा औम प्रकाश ने इनेलो समर्थित प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन भरा।

किस वार्ड से कितने प्रत्याशी हैं मैदान में:

रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम राजेंद्र कुमार ने बताया कि वार्ड सदस्य पद के लिए अब तक वार्ड नंबर एक से 4, वार्ड दो से 7, वार्ड नंबर तीन से 6, वार्ड नंबर चार से 3, वार्ड नंबर पांच से 5, वार्ड नंबर छह से 3, वार्ड नंबर सात से 4, वार्ड नंबर आठ से 4, वार्ड नंबर नौ से 4, वार्ड नंबर दस से 4, वार्ड नंबर 11 से 4, वार्ड नंबर 12 से 4 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं। इसी तरह वार्ड नंबर 13 से 5, वार्ड नंबर 14 से 7, वार्ड नंबर 15 से 4, वार्ड नंबर 16 से 4, वार्ड नंबर 17 से 4, वार्ड नंबर 18 से 3, वार्ड नंबर 19 से 3, वार्ड नंबर 20 से 5, वार्ड नंबर 21 से 6, वार्ड नंबर 22 से 5, वार्ड नंबर 23 से 7, वार्ड नंबर 24 से 6, वार्ड नंबर 25 से 5, वार्ड नंबर 26 से 5, वार्ड नंबर 27 से 3, वार्ड नंबर 28 से 3, वार्ड नंबर 29 से 5, वार्ड नंबर 30 से 2, वार्ड नंबर 31 से 4 व वार्ड नंबर 32 से 3 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं।

आज होगी नामांकन वापिसी:

चुनाव अधिकारी ने बताया कि नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी आगामी 18 फरवरी को सुबह साढे 11 बजे की जाएगी। इसी प्रकार आगामी 19 फरवरी को सुबह 11 से 3 बजे तक नामांकन वापिस लिए जाएंगे। आगामी 2 मार्च को सुबह आठ बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। वहीं आगामी 12 मार्च को सुबह आठ बजे मतगणना प्रक्रिया शुरू होगी।

अवैध खनन : उपायुक्त ने दिए निर्देश टोल प्लाजा पर बढ़ाई जाएं सख्ती, कार्रवाई हो सुनिश्चित

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

हिसार, 18 फरवरी। उपायुक्त अनीश यादव ने जिला में अवैध खनन को रोकने के लिए संबंधित विभाग को सख्ती करने के निर्देश दिए है। इस संबंध में मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में उपायुक्त अनीश यादव ने जिला स्तरीय खनन कमेटी की मासिक बैठक ली है।

बैठक में खनन विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि बिना ई-रवाना पास के खनिज परिवहन पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएं। इस संबंध में नियमानुसार कानूनी कार्रवाई करते हुए एफआईआर भी करवाई जाएं। बैठक में जनवरी महीने में की गई कार्रवाई का ब्यौरा भी उपायुक्त अनीश यादव ने खनन विभाग के अधिकारियों से लिया। बैठक में मौजूद खनन विभाग के अधिकारी राजेश कुमार ने उपायुक्त अनीश यादव के समक्ष बताया कि 4 वाहनों को चैकिंग के दौरान पकड़ा गया था। दो वाहनों के संबंध में नियमानुसार उन पर 8 लाख 54 हजार रुपये का जुमार्ना लगाते हुए राशि को जमा करवाया गया है। वहीं, 2 वाहनों के संबंध में एफआईआर

संबंधित कार्रवाई अमल में लाने के लिए नियमानुसार कदम उठाये गए है।

उपायुक्त अनीश यादव ने इस संबंध निर्देश दिए टोल प्लाजा पर चैकिंग को और बढ़ाया जाएं। इसके साथ ही भारतोल के लिए टोल प्लाजा पर लगे उपकरणों को भी दुरूस्त करवाया जाएं। बैठक में खास तौर पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी से संबंधित अधिकारियों को भी इस बारे में निर्देश दिए गए। उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि बिना ई–रवाना पास के कोई भी खनिज वाहन नहीं गुजरना चाहिए, इसके लिए टीम बनाकर अलग अलग जगहों पर कार्रवाई करते हुए चेकिंग को बढ़ाया जाएं। उपायुक्त अनीश यादव ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन करना व खनिजों का अनधिकृत परिवहन कानूनी अपराध है, जिसमें दोषी पाए जाने पर भारी जुमार्ना और सजा का प्रावधान है। उन्होंने जिले के खनन कारोबारियों एवं वाहन चालकों से अपील की कि वे नियमों का पालन करें और वैध ई-रवाना पास के बिना खनिज परिवहन न करें। बैठक के दौरान बरवाला के एसडीएम डॉ वेद प्रकाश बेनीवाल, हांसी एसडीएम राजेश खोथ, रोडवेज महाप्रबंधक डॉ. मंगल सेन, एनएचएआई मैनेजर ललित कुश, आरटीए संजय बिश्नोई सहित तमाम प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारी समाधान शिविरों की लंबित शिकायतों का जल्द करें निपटारा :- उपायुक्त डॉ विवेक भारती

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

महेंद्रगढ़, 18 फरवरी। उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने समाधान शिविर में आने वाली समस्याओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लंबित शिकायतों का जल्द निपटारा सुनिश्चित करें। समाधान शिविर में 47 शिकायतें प्राप्त हुई, इन शिकायतों का उपायुक्त ने अधिकारियों को जल्द से जल्द का निपटाने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद रहीं।

उपायुक्त डॉ विवेक भारती लघु सचिवालय स्थित एसडीएम कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि हर कार्य दिवस पर एसडीएम कार्यालय में सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। इन शिविरों में प्राप्त हो रही शिकायतों का मौके पर निपटारा करने के प्रयास किए जाते है। उपायुक्त ने गांव मालडा, बवाना, खेड़की, गागडवास व देवास में पंचायत जमीन पर अवैध कब्जों पर अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाहीं करने के निर्देश दिए।

इस मौके पर उपायुक्त ने बिजली व पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन, बेरोजगारी भत्ता व अन्य समस्याओं को संबंधित अधिकारियों को भेज कर जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए।

रतिया मीडिया क्लब द्वारा विशेष शख्सियत का सम्मान व चर्चा कार्यक्रम की श्रृंखला होगी जल्द शुरू

हरियाणा वाटिका/नीटू गोयल

रतिया, 18 फरवरी। रतिया मीडिया वेलफेयर कलब की एक अहम बैठक मंगलवार को अनाज मंडी स्थित क्लब के कैशियर सुरेश मंगला के कार्यालय में क्लब के संरक्षक वरिष्ठ पत्रकार भुवनेश झंडई की अध्यक्षता में संपन्न हुई, इस बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। जिसके तहत इस बैठक में विशेष निर्णय हुआ कि मीडिया क्लब द्वारा शीघ्र ही विशेष शख्सियत का सम्मान व चर्चा कार्यक्रम की श्रृंखला शुरू की जाएंगी जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में रतिया का नाम रोशन करने वाले शख्सियतों का मीडिया क्लब द्वारा सम्मान किया जाएगा व उनके साथ उनके अनुभवों को लेकर विशेष चर्चा की जाएगी। इस कार्यक्रम में पहली शख्सियत प्रमुख समाजसेवी प्रवीण गर्ग होंगे जिन्होंने रियल एस्टेट के क्षेत्र में हरियाणा सहित अन्य प्रदेशों में रतिया का नाम रोशन किया है। इसके पश्चात मीडिया क्लब द्वारा रतिया क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले क्षेत्र के अन्य प्रमुख लोगों के सम्मान व उनके साथ चर्चा की जाएगी। वहीं आज इस बैठक में सहमति बनी की मीडिया क्लब की इस शनिवार 22 फरवरी को दो दिवसीय धार्मिक यात्रा बाबा खाटू श्याम धाम व सालासर धाम को रवाना होगी, इस धार्मिक यात्रा को नीलकंठ कावड़ महासंघ के प्रधान रमन बलाना व चेयरमैन कमल अरोड़ा बाबा का ध्वज दिखाकर रवाना करेंगे। आज इस की इस बैठक में मीडिया क्लब के अध्यक्ष बोबी गोस्वामी, भुवनेश झंडई, धर्मेंद्र गोस्वामी, रिंपी जिंदल, लवली गिलहोत्रा, सुरेश मंगला, नीटू गोयल, गुरचरण सिंह, रवि गोयल,नरेंद्र बंसल, जसपाल जस्सा, राकेश ललित,पवन ग्रोवर, प्रवीन दहिया, बिट्टू हड़ोली, आदि सदस्य उपस्थित थे।

लायंस क्लब रतिया सिटी ने लगाया आंखों का निशुल्क जांच एवं ऑपरेशन कैंप

हरियाणा वाटिका/नीटू गोयल

रतिया, 18 फरवरी। लायंस क्लब रतिया सिटी ने अपने सेवा कार्यों को आगे बढाते हुए आंखों का निशुल्क जांच एवं ऑपरेशन कैंप का आयोजन किया। क्लब सचिव लियन गोपालचंद कुलरियां ने बताया कि फतेहाबाद रोड रतियि पर स्थित गुरु नानक आई केयर हॉस्पिटल में डॉक्टर के. ऐस. चाहल ने कुल 48 अति गरीब और जरूरतमंद मरीजों की आंखों की जांच की। जिसमें 25 मरीज कैटरेक के ऑपरेशन के लिए चिन्हित किए गए। इन सभी मरीजों का ऑपरेशन कल डॉक्टर संदीप तायल ऐम. ऐस. ओपथेलमिक पीजीआई चंडीगढ़ वाले करेंगे। इस अवसर पर क्लब के उपाध्यक्ष लायन हरवीर जौड़ा, पूर्व एमएलए लक्ष्मण नापा, लायन अनु ढूकिया लॉयन सतीश सरदाना,लायन विजय ग्रोवर,लॉयन शिवकुमार गर्ग,गोविंद राम लायन सुखचरन दास अरोड़ा, लायन राधेश्याम मेहता आदि उपस्थित रहे।

एसडीएम ने किया खनन क्षेत्र का औचक निरीक्षण

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नांगल चौधरी, 18 फरवरी। हरियाणा खान एवं भू विभाग के महानिदेशक एवं उपायुक्त डॉ विवेक भारती के निर्देश अनुसार एसडीएम मनोज कुमार ने आज बायल क्षेत्र में संचालित खनिज खानों का पर्यावरण से संबंधित नियमों की पालना के लिए निरीक्षण किया। इस मौके पर क्षेत्रीय अधिकारी एचएसपीसीबी, खनन अधिकारी एवं सीपीसीबी से आए अधिकारी? भी मौजूद थे।

एसडीएम मनोज कुमार ने कहा कि क्षेत्र में किसी भी सूरत में अवैध खनन नहीं होने दिया जाएगा।

इसके अलावा खनन विभाग के अधिकारियों द्वारा गत दिवस चैकिंग के दौरान गांव मौसमपुर एवं बिहारीपुर की पंचायती एवं निजी जमीन से मिट्टी बजरी का अवैध खनन करवाने वाले जमीन मालिकों एवं वाहन मालिकों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 14 फरवरी को पकड़े गए ट्रक मालिक से लगभग 3.20 लाख रुपए सरकारी खाते में जमा करवाए गए। इसके अलावा उन्होंने बताया कि विगत 9 फरवरी को गांव सोहला में हुई अवैध खनन की घटना पर कार्रवाई करते हुए वाहन मालिकों से लगभग 1.49 लाख रुपए वसूली के लिए नोटिस दिया गया है। इनके खिलाफ पहले ही एफआईआर भी दर्ज है।\

विधायक ओमप्रकाश यादव ने किया राष्ट्रीय शहरी सर्वेक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 18 फरवरी। पूर्व मंत्री व नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव ने कहा कि शहरी भूमि की सही पहचान करने के लिए राष्ट्रीय शहरी सर्वेक्षण कार्यक्रम क्रांतिकारी कदम साबित होगा। केंद्र व हरियाणा सरकार का लक्ष्य है कि जमीनी रिकॉर्ड पूरी तरह से डिजिटलाइज और जीआईएस मैप हो। इससे स्वामित्व रिकॉर्ड के विवाद कम होंगे और नागरिकों के संपत्ति के अधिकार मजबूत होंगे। श्री यादव आज लघु सचिवालय में भूमि संसाधन विभाग की ओर से राष्ट्रीय शहरी सर्वेक्षण कार्यक्रम के पायलट प्रोजेक्ट के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रीय स्तर पर मध्य प्रदेश से ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस पायलट प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया। इस मौके पर उपायुक्त डॉ विवेक भारती, अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा तथा नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी भी मौजूद थी।

श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार का फोकस है कि जमीनी रिकॉर्ड का जल्द से जल्द डिजिटलीकरण किया जाए ताकि त्वरित और प्रभावी शहरी योजना बनाई जा सके। इसके अलावा इससे प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन में सुधार होगा तथा शहरी निकायों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी, वहीं संपत्ति लेनदेन और ऋण प्राप्ति भी सरल होगी।

विधायक ने बताया जिला के निवासियों के लिए यह गर्व की बात है कि नारनौल शहर को इस पायलट प्रोजेक्ट में शामिल किया गया है। इस पायलट प्रोजेक्ट में हरियाणा के मानेसर तथा पंचकूला शहर को भी शामिल किया है।

सोलो नृत्य में छात्रा नेहा ने मारी बाजी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

तोशाम, 18 फरवरी। स्थानीय चौधरी बंसीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम उमंग के दूसरे दिन मंगलवार को महाविद्यालय की छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम में प्रोफेसर गोदारा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। वहीं महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर मंजीत सिंह ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया।

इस दौरान प्रोफेसर गोदारा ने छात्राओं को सांस्कृतिक कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों के महत्व से अवगत करवाया। उन्होंने छात्राओं को बताया कि इन गतिविधियों में भाग लेने से छात्राओं में आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है बल्कि आगामी समय में यही छात्राएं राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करती हैं। इस दौरान आयोजित हुए सोलो नृत्य में छात्रा नेहा ने प्रथम, तनु ने द्वितीय तथा आरती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में कुसुम ने प्रथम, पुष्पा ने द्वितीय तथा रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्टूनिंग प्रतियोगिता में कोमल ने प्रथम, प्रीति ने द्वितीय तथा नवजोत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान मंच संचालन डॉक्टर जयपाल शास्त्री तथा डॉ. तरुणा ने किया। इस कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ का विशेष योगदान रहा।

अपने एरिया को साफ रखने वाले दरोगा टीम सहित होंगे सम्मानित : राजेश कुमार

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 18 फरवरी। नगर परिषद कार्यालय में मंगलवार को कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार ने सफाई शाखा के अधिकारियों व कर्मचारियों की मीटिंग ली। मीटिंग में कार्यकारी अधिकारी ने सफाई दरोगाओं का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें स्वच्छता का पाठ पढ़ाया और आदेश दिए की जल्द ही स्वच्छता सर्वेक्षण करने वाली टीम कुरुक्षेत्र में आ रही है इसको देखते हुए आप जहां सफाई व्यवस्था के कार्य को बेहतर तरीके से कर रहे हैं उसमें और निखार लाने की जरूरत है ताकि रैंकिंग में हम अच्छा अंक प्राप्त कर सके। कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार ने सफाई दरोगाओं को कहा कि आप सभी अपने-अपने एरिया में चेक करेंगे कि घर-घर से कूड़ा उठान करने वाले टिप्पर प्रतिदिन आ रहे हैं या नहीं यदि कहीं कमी है तो मुझे सूचित करें।इसके अलावा उन्होंने

मुख्य सफाई निरीक्षक व सफाई निरीक्षक को भी आदेश दिए कि जो भी कर्मचारियों की जरूरत है जैसे मास्क, ग्लव्ज, झाड़ू, रेहडी या अन्य सफाई के उपकरण है उनको तुरंत उपलब्ध करवाए जाएं।क्योंकि यदि उनके पास सफाई उपकरण ही नहीं होंगे तो उसके बिना वह सफाई कैसे करेंगे। इसके साथ ही कार्यकारी अधिकारी ने सफाई दरोगाओं को कहा कि जो कर्मचारी ड्यूटी पर आए उसी की हाजिरी लगाए जो कर्मचारी ड्यूटी से गैर हाजिर रहता है उसकी गैर हाजिरी लगाए।

इस अवसर पर उनके साथ मुख्य सफाई निरीक्षक जितेंद्र नरवाल, सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार, क्लर्क अभिषेक कुमार, डीईओ अनूप सिंह, राजन कुमार, सुनील, सफाई दरोगा सुभाष गुसर, बनारसी, बलवान, गुरमीत, सुरेंद्र व सत्यवान सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

नशे के खिलाफ विशेषकर युवाओं में भी जागरूकता लाना बेहद जरूरी : डीसी पार्थ गुप्ता

जिला सचिवालय में जिले में नशे की रोकथाम को लेकर अधिकारियों की बैठक ली

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी
यमुनानगर, 18 फरवरी। जिला उपायुक्त पार्थ गुप्ता आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिला को नशा मुक्त बनाना है। इसके लिए विशेषकर युवाओं में जागरूकता लाना जरूरी है। इसके साथ-साथ सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नशा मुक्ति पर आपसी सामंजस्य के साथ आवश्यक कदम उठाएं। इस अवसर पर डीसी पार्थ गुप्ता ने जिला सचिवालय के सभागार में जिले में नशे की रोकथाम को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य ड्रग्स आदि नशे को जड़ मूल से खत्म करना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर माह सभी नशा मुक्ति केन्द्रों का निरीक्षण करें। उन्होंने

कहा कि नशा रोकने को लेकर स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, खेल विभाग, पुलिस विभाग, रेडक्रॉस सहित अन्य स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ मिलकर गांव में जाकर लोगों को जागरूक करें और नशा करने वाले लोगों पर नजर बना कर रखें ताकि उनमें सुधार लाया जा सकें। उन्होंनें ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार सभी मेडिकल स्टोरों में नशें की प्रतिबंधित दवाओं की जांच कर रिपोर्ट करें। उन्होंने कहा कि जिन मेडिकल स्टोरों पर अवैध रूप से नशे की दवा मिलती है मेडिकल स्टोर के संचालको पर कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी मेडिकल स्टोर नशे की दवाई न दें। डीसी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए की स्कूल व कॉलेज में पढ? वाले विद्यार्थियों को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया जाए ताकि वह हर प्रकार के नशे से दूर रहें। उन्होंने कहा कि महीने के प्रथम शुक्रवार को सभी स्कूलों में नशा न करने की शपथ दिलाई जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशा मुक्ति के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी है। विद्यार्थियों को बताया जाए कि नशा उनको तबाही की तरफ लेकर जाता है। जबकि युवाओं को अपने उह्णजवल भविष्य के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा गांवों में मेंटल हेल्थ चेकअप कराया जाए। उन्होंने डीएसपी को निर्देश दिए कि पुलिस चौकस होकर नशा तस्करों की जांच करें।

इस मौके पर एसडीएम छछरौली रोहित कुमार, 'सीटीएम पीयूष गुप्ता, डीएसपी राजेश कुमार, सिविल सर्जन डॉ मनजीत सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र चौधरी, जिला खेल अधिकारी शिल्पा गुप्ता आदि मौजूद थे।

फर्जी आरटीओ ने ट्रॉला ड्राइवर से की लूटपाट

स्कॉर्पियो सवार दो बदमाशों ने की मारपीट, 35 हजार लूटकर हुए फरार

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र कुमार
हिसार, 18 फरवरी। अपने आप को आरटीओ बताकर एक ट्राला चालक से लूटपाट करने व मारपीट करने का मामला सामने आया है। इस मामले में वाहन चालक ने पुलिस को शिकायत देकर वारदात से अवगत कराया है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। जानकारी अनुसार जिले के बरवाला क्षेत्र में दो बदमाशों ने एक ट्राला चालक से मारपीट करते हुए 35 हजार रुपये की नकदी लूट ली। इन बदमाशों में से एक ने अपने आप को

आरटीओ बताते हुए वारदात को अंजाम दिया। बीती रात हुई इस वारदात के बारे में ट्राला चालक रामनिवास ने पुलिस को बताया कि बीती रात करीब दस सवा दस बजे शहर से सटे बरवाला के सुलखनी गांव के पास उसे दो लोगों ने रोक लिया। वे एक काले रंग की स्कॉर्पियो में सवार थे। उनमें से एक ने अपने आप को से आए बदमाशों ने ट्रॉला चालक रामनिवास को चेकिंग के बहाने रोक लिया। कार्गो कंपनी में काम करने वाले रामनिवास टोहाना से सुलखनी गांव जा रहे थे। आरोपी ने खुद को आरटीओ अधिकारी बताते हुए परमिट की जांच के बहाने ट्रॉला रुकवाया। करीब 30 वर्षीय नशे में धुत एक आरोपी ने ट्रॉला ड्राइवर से मारपीट भी की। पीड़ित जब पुलिस को कॉल करने की कोशिश कर रहा था, तब आरोपी ने उसकी जेब से 35 हजार रुपए निकाल लिए और स्कॉर्पियो में बैठे अपने साथी के साथ घिराय की तरफ भाग गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी ली। पुलिस ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है। स्कॉर्पियो का नंबर भी मिल गया है। जल्द ही इस वाहन और उसमें सवार बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गली का निर्माण कार्य को अधुरा ही छोड़ने से लोगों में भारी रोष

गली निर्माण पुरा न होनें से लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी
रादौर, 18 फरवरी। शहर के खेडा मोहल्ला वार्ड न 5 में नगरपालिका की ओर से गली का निर्माण कार्य करवाया गया था। नगरपालिका ठेकेदार ने गली बनाने का कार्य अधुरा ही छोड दिया था। स्थानीय लोगों ने गली अधुरी होने की शिकायत बार बार नगरपालिका को दी। लेकिन मांग करने के बावजूद नगरपालिका ने गली के काम को अभी तक पूरा नहीं करवाया। जिससे स्थानीय लोगों में नगरपालिका की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष है। खेडा मोहल्ला निवासी पड़ित जर्नादन शर्मा, राजेश ,रवि शंकर, कुलदीप सैनी, जरनैल सिंह, रोहित सैनी, शुभम सैनी,

ललित सैनी, हितेश आदि ने बताया कि नगरपालिका की ओर से उनकी गली का निर्माण कार्य ठेकेदार के माध्यम से करवाया गया था। ठेकेदार ने आधी गली बनाकर काम बीच में रोक दिया। गली निर्माण कार्य पुरा न होनें से स्थानीय लोगों को आने जाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। मामले को लेकर स्थानीय लोगों ने कई बार संबंधित ठेकेदार व नगरपालिका कर्मचारियों को अवगत करवाया। लेकिन गली का कार्य अभी तक पूरा नहीं हुआ। उन्होंने नगरपालिका के अधिकारियों से जल्द से जल्द अधुरी गली का निर्माण कार्य पूरा करवाये जाने की मांग की।

वह इस समय चुनाव में व्यस्त है जल्द इस अधुरे गली के निर्माण को पुरा करवाया जाएगा,ठेकेदार को आदेश दे दिए है,आप भी सहयोग करें।

गुलशन कुमार,सचिव

यौन उत्पीड़न के खिलाफ लगाई जागरूकता कार्यशाला

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 18 फरवरी। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की इंटरनल कंप्लेंट कमेटी व गुलजारी लाल नंदा सेंटर द्वारा उदयन शालिनी कुरुक्षेत्र के लिए बी.आर. गुलजारी लाल नंदा सेंटर आफ एथिक्स, फिलॉसफी, म्यूजियम एंड लाइब्रेरी में महिलाओं के यौन उत्पीड़न के खिलाफ जागरूकता विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस सत्र का संचालन चैंप्टर कन्वीनेंट डॉ. सुषमा शर्मा और को-कन्वीनर डॉ. रामनिवास के मार्गदर्शन में हुआ। साथ ही, यूएसएफ कोर कमेटी की सदस्य डॉ. सीमा पांडे ने भी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यशाला की अध्यक्षता आईसीसी कमेटी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. सुनीता सिरोहा द्वारा की गई। उन्होंने शालीनियों को यौन उत्पीड़न के विभिन्न प्रकारों के बारे

में विस्तार से जानकारी दी तथा इस तरह के मामलों में डट कर मुकाबला करने के उपायों पर प्रकाश डाला। साथ ही, शालिनियों को आत्मनिर्भर बनने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा भी दी गई।

इस दौरान एनआईटी कुरुक्षेत्र के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की प्रोफेसर सरस्वती सेतिया मुख्य वक्ता रहीं। उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति होने वाले यौन उत्पीड़न, उसके प्रभाव तथा उससे बचाव हेतु कानून एवं अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। विशेष अतिथि के रूप में मनोचिकित्सक विशेषज्ञ डॉ. नेहा सोबती ने मानसिक स्वास्थ्य पर यौन उत्पीड़न के प्रभाव और इससे निपटने के उपायों पर चर्चा की। डॉ. सुषमा शर्मा ने यूएसएफ की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा उन सभी के अथक प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया, जिनकी बदौलत यह आयोजन सफल हो सका।

नगर निकाय, नगर परिषद व नगरपालिका चुनावों में भाजपा भारी बहुमत से विजयी होगी : जगदीप

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
इस्माईलाबाद, 18 फरवरी। भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष जगदीप सिंह सांगवान ने कहा कि भाजपा पार्टी नगर निकाय, नगर परिषद और नगरपालिका चुनाव अपने चुनाव निशान पर लड़ रही है। पार्टी हाईकमान ने सभी जगह अपने प्रत्याशियों को मैदान में उतार दिया है। वे यहां क्लासिक फार्म में एक शादी समारोह में हिस्सा लेने के बाद पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी नगर निकाय, नगर परिषद व नगरपालिका चुनावों में जीत का परचम लहराएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जमीनी स्तर पर काम किए है। जिसके चलते आज पार्टी सभी लोगों की पहली पसंद बनी हुई है। अन्य पार्टियों के लोग लगातार भाजपा में शामिल हो रहे है।

अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई करने के उपायुक्त ने दिए निर्देश

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
हिसार, 18 फरवरी। उपायुक्त अनीश यादव ने भू-माफियाओं द्वारा काटी जा रही अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। इस संबंध में जिला उपायुक्त ने अधिकारियों की विशेष बैठक ली है।

बैठक में पुलिस अधीक्षक शशांक सावन, नगर योजनाकार विभाग के अधिकारियों के अलावा बरवाला के एसडीएम डॉ वेद प्रकाश बेनीवाल, हांसी एसडीएम राजेश खोथ सहित कई अधिकारी मौजूद थे। उपायुक्त अनीश यादव के समक्ष जिला नगर योजनाकार गुंजन वर्मा ने अवैध कॉलोनियों की स्थिति के संबंध में ब्यौरा भी दिया, जिस पर उपायुक्त ने कहा कि इस संबंध में नियमानुसार कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। बैठक में मौजूद पुलिस अधीक्षक शशांक सावन ने भी उपायुक्त के समक्ष कहा कि कार्रवाई के दौरान जहां पर भी सुरक्षा के लिहाज से पुलिस की जरूरत होगी, पर्याप्त पुलिस उपलब्ध करवाई जाएगी।

उपायुक्त अनीश यादव ने इस दौरान कहा कि अवैध कॉलोनियों के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई अमल में लाई जाए, साथ ही किसी भी प्रकार से नई अवैध कॉलोनियों का निर्माण नहीं होना चाहिए। अवैध कॉलोनियों के निर्माण के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि इसका उद्देश्य नागरिकों को भूमि से जुड़े किसी भी तरह के धोखाधड़ी से बचाना और अवैध कॉलोनीकरण पर रोक लगाना है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे भूमि खरीदते समय पूरी सतर्कता बरतें। नागरिकों को सलाह दी गई है कि जमीन खरीदने से पहले संबंधित दस्तावेजों की पूरी जांच करवाएं और यह सुनिश्चित करें कि भूमि वैध है। प्रशासन का यह कदम जिले में अवैध कॉलोनी करण को खत्म करने और नियोजित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है।

नशा पीड़ितों के डेटा को पोर्टल पर अपलोड करवाना सुनिश्चित करें अधिकारी : उपायुक्त

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
हिसार, 18 फरवरी। जिला प्रशासन की ओर से नशा मुक्ति अभियान को लेकर एक खास बैठक उपायुक्त अनीश यादव की मौजूदगी में लघु सचिवालय स्थित वीसी सभागार में की गई है। बैठक के दौरान सिविल सर्जन डॉ सपना गहलावत, बरवाला के एसडीएम डॉ वेद प्रकाश बेनीवाल, हांसी एसडीएम राजेश खोथ, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी दीपक भारद्वाज, डॉ तरुण भी मौजूद रहे। जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी दीपक भारद्वाज ने उपायुक्त अनीश यादव के समक्ष जिला में चिन्हित किए गए नशा पीड़ितों के संबंध में संकलित हुए डेटा का ब्यौरा दिया। उपायुक्त अनीश यादव ने बैठक के दौरान हांसी एसडीएम राजेश खौथ द्वारा मसूदपुर गांव में लगाएं गए नशा मुक्ति अभियान के कैंप बारे भी चर्चा की। बैठक के दौरान उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि नशा पीड़ितों की काउंसलिंग और नशे के व्यापारियों को ट्रेस करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जो गूगल फॉर्म तैयार करवाया गया था, उस पर डेटा को नियमित अपडेट करवाया जाएं। बकायदा, स्वास्थ्य विभाग इसे लेकर नशा मुक्ति केंद्र संचालकों के साथ साथ जिला में चल रहे मानसिक रोग विशेषज्ञों से संबंधित अस्पताल में नशा पीड़ितों की ओपीडी से डेटा लेकर भी इस संबंध में पोर्टल पर दर्ज करने की बात कही। एसडीएम राजेश खोथ ने हांसी के मसूदपुर में लगाए गए कैंप के बारे में बताया कि कैंप के दौरान अलग अलग लोगों से बातचीत करते हुए जो जानकारी ली गई थी, उसे पोर्टल पर अपलोड किया गया है। उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि नशे की रोकथाम के लिए पुलिस के साथ मिलकर प्रशासनिक अधिकारियों को खास अभियान चलाने के निर्देश दिए जा चुके हैं, जिला में इस दिशा में संबंधित उपमंडल अधिकारी भी स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर खास रूपरेखा बनाते हुए कार्य करें।

मिशन 'हम हैं, हम रहेंगे' से जुड़े शाहाबाद डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन के सदस्य

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
शाहाबाद मारकंडा, 18 फरवरी। शाहाबाद डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन की महत्वपूर्ण बैठक लाइट्सन लाइटिंग के व्यापारिक प्रतिष्ठान पर आयोजित हुई। एसोसिएशन के प्रधान अनिल अरोड़ा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में डिस्ट्रीब्यूटर्स को काम में निरंतर आ रही समस्याओं पर न केवल गंभीरता से विचार-विमर्श हुआ अपितु उसके समाधान को लेकर भी व्यापक चर्चा की गई। जानकारी देते हुए शाहाबाद डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन के चेयरमैन भारत भूषण अरोड़ा व प्रधान अनिल अरोड़ा ने संयुक्त रूप से बताया कि ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर फेडरेशन (ए.आई.सी.पी.डी.एफ.) द्वारा मॉडर्न ट्रेड की कंपनियों के विरुद्ध चलाए जा रहे मिशन ' हम हैं, हम रहेंगे' पर विशेष रूप से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि शाहाबाद डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन द्वारा उपरोक्त अभियान से जुड़ने का संकल्प लिया गया। अनिल अरोड़ा ने कहा कि एसोसिएशन की बैठक में शाहाबाद के प्रत्येक डिस्ट्रीब्यूटर और रिटेलर का रजिस्ट्रेशन करवाने का निर्णय भी लिया गया है। प्रधान ने कहा कि जो भी डिस्ट्रीब्यूटर अथवा रिटेलर अभी तक एसोसिएशन से नहीं जुड़े उन्हें शीघ्र अति शीघ्र एसोसिएशन का सदस्य बनाया जाएगा। इस अवसर पर शाहाबाद डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन के सचिव संजीव मित्तल, कोषाध्यक्ष दीपक जगदंबे, श्रीकृष्ण सलूजा, अमित कुमार, असीम अरोड़ा, राजेश बंसल, रविंद्र कुमार, मोंटू गर्ग, अजय गर्ग एवं शशि भूषण आदि डिस्ट्रीब्यूटर उपस्थित थे।

आग लगने से हुए नुकसान को लेकर गौशाला महासंघ के अध्यक्ष डॉ. जगदीश मलिक पहुंचे गौशाला परिसर

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
तोशाम, 18 फरवरी। हाल ही में क्षेत्र के गांव ढाणी माहू की गौशाला में आग लगने से हुए काफी नुकसान को लेकर मंगलवार को हरियाणा प्रदेश गौशाला महासंघ के अध्यक्ष डॉ. जगदीश मलिक ने गांव ढाणी माहू पहुंचकर गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ बाबा मुंगीपा गौशाला तोशाम के प्रधान सतपाल दूहन, गोरक्षा दल के प्रधान संजय परमार, बेसी गौशाला के सदस्य ने पहुंच कर गौशाला का निरीक्षण किया।

इस दौरान गौशाला महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जगदीश मलिक ने गौशाला की कमेटी को आश्वासन दिया कि आग लगने से हुए नुकसान में सहायता की जाएगी और शासन तथा प्रशासन से भी मांग की की प्राकृतिक आपदा को देखते हुए गौशाला को उचित मुआवजा दिया जाए ताकि गौशाला में मौजूद गोवंश चारे के अभाव में भूखा न रहे। इस मौके पर प्रधान विजेंद्र सिंह, मास्टर सज्जन, रविंद्र सिंह, भान सिंह, संजय नंबरदार, मनोज शास्त्री, मास्टर वेदपाल, प्रवेश शर्मा, सोमवीर, अजय, भूप सिंह आदि सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

जेसीआई कुरुक्षेत्र सिटी चैप्टर की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 18 फरवरी। जूनियर चेंबर इंटरनेशनल (जेसीआई) कुरुक्षेत्र सिटी चैप्टर की टीम समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी होकर कार्य करते हुए समाज को प्रेरणा देने का कार्य कर रही है। कई बार प्राकृतिक आपदा के समय जेसीआई के पदाधिकारी सदैव जरूरतमंद के साथ खड़े नजर आए हैं। कुरुक्षेत्र को नई पहचान दिलाने में जेसीआई का भी बहुत योगदान है। यह विचार पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने जेसीआई कुरुक्षेत्र सिटी की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जेसीआइ की पूरी टीम हमेशा सरकार और प्रशासन के साथ खड़ी रहती है। समाज को स्वच्छता को लेकर जागरूक करने की बात हो या धर्मनगरी को सुंदर बनाने के लिए कार्य करने की बात हो। इनमें जेसीआई हमेशा अग्रणी रही है। विशिष्ट अतिथि जिला परिषद के उपाध्यक्ष धर्मपाल चौधरी डीपी ने कहा कि जेसीआई कुरुक्षेत्र सिटी के साथ जिला भर के कई बड़े चेहरे जुड़े हुए हैं। यही चेहरे व्यवसाय के साथ-साथ समाज सेवा में भी अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने जेसीआइ की नवनियुक्त टीम को बधाई दी। समारोह में इंस्टालेशन आफिसर जेसी सुनील माटा की मौजूदगी में जेसीआई के वर्ष 2025 के नवनियुक्त अध्यक्ष चंदन अरोड़ा को उनकी जिम्मेदारी सौंपी गई। गौरतलब है कि जेसीआई कुरूक्षेत्र सिटी में 48 परिवार शामिल है। इनमें चंद्रेश अरोड़ा, जसपाल नैन, पवन विरमानी, विशाल सहगल विजय बजाज, आनंद बजाज, प्रवीण ग्रोवर, अमित गुलाटी, पंकज चौधरी, बृजेश किंगर, नवीन परूथी, मनोज परूथी, किरण तनेजा, डॉक्टर मनीष मदान, डॉक्टर रमन अनेजा, रोहित मिड्ढा, जे.पी. कंबोज, कनिष्क गर्ग, तनिक सिंघल, आशीष सिंघल, यतिन मलिक, रविंद्र सिंगला, सी.ए. गौरव गर्ग, साहिल गुप्ता, विक्रांत अग्रवाल, विकास गोयल, अंजुल सिंगला, अजय वधवा चप्पू, गुंजन चावला, पवन छाबड़ा, विशाल कालड़ा, विनोद आर्य, महेश शर्मा, मोहित गर्ग, संदीप सिंगला, सचिन पन्नू, संदीप वशिष्ठ, विजय जांगड़ा, विनोद सिंगला, विनीत वधवा, पंकज जैन, राकेश मित्तल आदि के परिवार जुड़े हैं।

नहीं आई सोलर लगवाने के बाद सब्सिडी, प्राथी ने दी कम्पनी की शिकायत

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
शाहाबाद मारकंडा, 18 फरवरी। लक्की कॉलोनी, न्यू मॉडल टाउन निवासी एक व्यक्ति ने सोलर लगवाने के बाद सब्सिडी न मिलने पर कुरुक्षेत्र की सोलर कम्पनी के खिलाफ मंत्री अनिल विज और उपमंडल अधिकारी को शिकायत दी है। शिकायतकर्ता रजनीश शर्मा पुत्र वेद प्रकाश ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी संतोष के नाम अपने घर लक्की कॉलोनी में 13 अक्टूबर 2024 को तीन किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया था, जिसकी कीमत 1,80,000/-रुपये थी। उस समय उक्त कंपनी ने यह कहा था कि हरियाणा सरकार के नियमानुसार कम्पनी ने पेनल लगाया है और एक सप्ताह के अंदर आपके खाते में सरकार से सब्सिडी आ जाएगी। जब मैंने सोलर पैनल लगवाने के पन्द्रह दिन के बाद उक्त कम्पनी को फोन किया तो यह कहने लगे आप चिंता मत करो आपके सोलर पैनल की सब्सिडी 4-5 दिन के अन्दर आ जायेगी। लेकिन अब करीब 4 महीने बीत जाने के बावजूद भी हमें सब्सिडी नहीं मिली और अब कुरुक्षेत्र स्तिथ कम्पनी के मालिक हमें कोई जवाब भी नहीं दे रहे और हमारा फोन भी नहीं उठा रहे। शिकायतकर्ता रजनीश शर्मा ने बताया कि इस बाबत वह कई बार उप-मण्डल अधिकारी उप-डिविजन न 2. हरियाणा बिजली वितरण निगम, शाहाबाद में भी शिकायत कर चुके है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने अब मंत्री अनिल विज और उपमंडल अधिकारी को शिकायत सौंप कर कम्पनी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। शाहाबाद में आरटीआई कार्यकर्ता गुलशन कश्यप ने उपमंडल अधिकारी को निवेदन किया है कि बिजली विभाग ऐसे वेंडर की जांच करें और इनका टेंडर रद्द करें, जिसके बाद भविष्य में उपभोक्ताओं को इस प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

पोर्टल में चल रहा है अपडेट, प्रार्थी को खुद करनी होती है कार्रवाई

कुरुक्षेत्र स्थित कंपनी न्यू सन प्राइवेट एंटरप्राइजेज से पुरुषोत्तम ने बताया कि कम्पनी का काम इंस्टॉलेशन करने के बाद केवल डॉक्यूमेंट सबमिट करना होता है, जबकि प्रार्थी को स्वयं सीएससी जाकर अप्लाई करना होता है। पेमेंट सरकार को करनी होती है, लेकिन अभी उनकी जानकारी के मुताबिक पोर्टल में कुछ अपडेट चल रही है। जल्द ही पेमेंट प्रार्थी को मिल जाएगी।

इस्माईलाबाद नपा उप चुनाव में प्रधान पद के लिए 5 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र सही पाए : विरेन्द्र चौधरी

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 18 फरवरी। एमडी शुगर मिल एवं इस्माईलाबाद नगरपालिका चुनावों के रिटर्निंग अधिकारी विरेन्द्र चौधरी ने कहा कि इस्माईलाबाद नगरपालिका उप चुनाव में प्रधान पद के लिए 5 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र भरा था। इन चुनावों की छंटनी प्रक्रिया में सभी नामांकन पत्र सही पाए गए है। एमडी शुगर मिल विरेन्द्र चौधरी ने कहा कि इस्माईलाबाद नगरपालिका उप चुनाव प्रधान पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन दीप शिखा, एकता, मेघा बंसल, निशा रानी, हरजीत घोत्तरा ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था और इन नामांकन पत्रों की छंटनी के बाद सभी प्रत्याशियों के नामांकन सही पाए गए है। उन्होंने कहा कि मतदान 2 मार्च को करवाया जाएगा, वहीं मतगणना 12 मार्च को करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर पालिका चुनाव के लिए आवेदन करने वाले प्रत्याशी 19 फरवरी को सुबह 11 बजे से 3 बजे तक नाम वापस ले सकते हैं, 19 फरवरी को दोपहर तीन बजे के बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए जाएंगे। इसके बाद 19 फरवरी को ही चुनाव लडने.वाले प्रत्याशियों व मतदान केंद्रों की सूची निर्धारित स्थान पर चस्पा कर दी जाएगी। इन चुनावों के लिए निर्धारित शैडयूल के अनुसार 2 मार्च को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान करवाया जाएगा। वहीं 12 मार्च को सुबह 8 बजे से मतगणना करवाई जाएगी।

गाय माता को राष्ट्र माता घोषित करे सरकार : गौ भक्त

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सीवन, 18 फरवरी। सीवन गौशाला सेवा समिति समिति के कोषाध्यक्ष प्रशांत आनंद, सदस्य राम रतन सैनी, उपप्रधान पवन शर्मा व गौ भक्त पूर्ण सैनी ने कहा कि सरकार को गाय माता को राष्ट्र माता घोषित करना चाहिए। इससे न केवल हमारी संस्कृति को एक नया सम्मान मिलेगा, बल्कि यह देश की आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक स्थिति में भी सुधार ला सकता है। इस कदम को उठाने से गाय माता की महिमा और उसके महत्व को व्यापक स्तर पर मान्यता मिलेगी, और साथ ही इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए ठोस कदम उठाए जा सकेंगें। उन्होंने कहा कि गाय माता भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्था का एक अभिन्न हिस्सा रही है। इसे वेदों, पुराणों और शास्त्रों में देवी के रूप में पूजा गया है। भगवान श्री कृष्ण ने स्वयं गऊ सेवा को सर्वोत्तम कार्य बताया है और गऊ माता के साथ अपनी जीवन यात्रा को जोड़ा है। गाय माता की पूजा और सम्मान भारत की धार्मिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है। गौ भक्तों ने कहा कि गाय भारतीय कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसके दूध, गोबर और गोमूत्र का उपयोग न केवल कृषि में होता है, बल्कि डेयरी उद्योग, जैविक खाद और ऊर्जा उत्पादन में भी इनका अत्यधिक योगदान है। गाय का पालन करने से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। यदि गाय को राष्ट्र माता घोषित किया जाता है, तो इससे सरकार को एक स्थिर नीति बनाने का अवसर मिलेगा, जिससे कृषि क्षेत्र में और अधिक सुधार होगा और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि गाय का गोबर और गोमूत्र न केवल कृषि के लिए बल्कि पर्यावरण के लिए भी अत्यंत लाभकारी हैं। गोबर से जैविक खाद बनाई जाती है, जो रासायनिक उर्वरकों के बजाय भूमि की उर्वरता को बढ़ाती है। गोमूत्र से अनेक औषधियां तैयार की जाती हैं, जो विभिन्न बीमारियों के इलाज में मदद करती हैं। गाय के संरक्षण और बढ़ावा देने से वायु प्रदूषण में कमी आ सकती है और पर्यावरणीय संकटों का समाधान हो सकता है। उन्होंने कहा कि गाय माता को राष्ट्र माता घोषित करने से समाज में इसकी महिमा का पुनर्निर्माण होगा और गाय के संरक्षण को लेकर सरकार को कठोर कदम उठाने का बल मिलेगा। इससे न केवल गायों की संख्या में वृद्धि होगी, बल्कि उनकी देखभाल और सुरक्षा के लिए सरकार ठोस कदम उठा सकेगी। गाय माता को राष्ट्र माता का दर्जा देने का निर्णय भारत की सांस्कृतिक धरोहर को सम्मान देने के साथ-साथ आर्थिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी फायदेमंद होगा। यह कदम भारत को एक नई दिशा में आगे बढने में मदद करेगा, जिसमें गाय माता के महत्व को सम्मानित किया जाएगा और उसके संरक्षण के लिए ठोस योजनाएं बनाई जाएंगी।

पीएम श्री स्कूल के 11 विद्यार्थियों ने किया जिला हॉकी में क्वालीफाई

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
शाहाबाद मारकंडा, 18 फरवरी। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहाबाद के 11 छात्र-छात्रों ने जिला हॉकी में क्वालीफाई कर-के राज्य हॉकी खेल में अपनी जगह बनाई है। मंगलवार को विजेता छात्र-छात्राओं को प्रधानाचार्य एंव स्टाफ ने सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया और भविष्य के लिए शुभकामनाए दी। प्रधानाचार्य लक्ष्मी प्रसाद शास्त्री ने बताया कि लड़कियों में मिलन, वंशिका, दृष्टि, पलक, अंचल और मानसी ने क्वालीफाई किया है, जबकि लड़को निखिल, पारस, लगन, रुदर प्रताप और जतिन विजेता रहे है। उन्होंने कहा कि खेलो का हमारे जीवन में विशेष महत्व है, इसलिए स्कूल के अन्य छात्र-छात्राओं को भी इन विजेता विद्यार्थियों से प्रेरणा लेनी चाहिए और खेलो में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। प्रधानाचार्य ने विजेता छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को बधाई दी और राज्य स्तरीय हॉकी खेल में भी इसी तरह के प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके रजत सैनी, राजिंदर सिंह, संजय कुमार, जय प्रकाश, हरदीप सिंह एंव रमेश कुमार सहित स्कूल स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

शाहाबाद के जय भगवान सिंहमार बने पुलिस इंस्पेक्टर

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
शाहाबाद मारकंडा, 18 फरवरी। हरियाणा पुलिस में तैनात शाहबाद के रहने वाले जय भगवान सिंहमार को सब इंस्पेक्टर के पद से प्रमोट करके इन्स्पेक्टर बनाया गया है। यह प्रमोशन एसपी अंबाला सुरिंदर सिंह भोरिया द्वारा दी गई है। जय भगवन सिंहमार को प्रमोशन के बाद आदर्श सेवा समिति के सदस्यों ने बधाई दी। समिति के महासचिव जसबीर सिंह दुग्गल ने कहा कि प्रमोशन के बाद अब जय भगवन की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है और उन्हें उम्मीद है कि जय भगवान अब इस जिम्मेदारी को भी पहले की तरह निष्ठां और ईमानदारी से निभाएंगे। समिति के सदस्य मलकिंद्र सिंह, अमन कालड़ा, अवशिष शर्मा, रणजीत सिंह, राज कथूरिया, जसवंत सिंह, साहब सिंह भीण्डर, दीपक पन्नू और दीपू सचदेवा ने भी जय भगवान सिंहमार एंव उनके परिवार को बधाई दी।

मनोद सैनी नेशनल चीफ डायरेक्टर नियुक्त

करनाल। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के नैशनल सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा ने नैशनल टीम का विस्तार करते हुए चंडीगढ़ के वरिष्ठ युवा समाजसेवी मनोद सैनी को फाउंडेशन का नेशनल चीफ डायरेक्टर नियुक्त किया। नैशनल सुप्रीमो नरेन्द्र अरोड़ा ने मनोद सैनी को नियुक्ति पत्र सौंपकर पद की गरिमा में रहकर भ्रष्टाचार उन्मूलन जागरूकता के लिए कार्य करने की शपथ दिलाई। मनोद सैनी ने कहा कि वह अपने पद की गरिमा में रहकर फाउंडेशन के भ्रष्टाचार उन्मूलन जागरूकता के उद्देश्यों को जन-जन तक लेकर जायेंगे और अपनी टीम का देश भर में विस्तार करेंगे।

संयम गुप्ता को मिल रहा है सीवन की जनता का अपार समर्थन

दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है उनका जनाधार : विवेक गोयल

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सीवन, 18 फरवरी। प्रमुख समाजसेवी विवेक गोयल ने कहा कि सीवन की जनता जिस विश्वास और उत्साह के साथ सीवन नगर पालिका चेयरमैन पद की उम्मीदवार संयम गुप्ता का समर्थन कर रही है, उससे उनकी ऐतिहासिक जीत तय है। उन्होंने कहा कि संयम गुप्ता का विजयी होना सिर्फ एक चेयरमैन पद की जीत नहीं, बल्कि एक स्वच्छ, विकसित और समृद्ध सीवन की दिशा में बड़ा कदम होगा। जनता को एक सशक्त नेतृत्व की आवश्यकता है, जो पारदर्शिता और ईमानदारी से नगर का विकास करे। प्रमुख समाजसेवी विवेक गोयल ने कहा कि संयम गुप्ता की सोच दूरदर्शी है और उनकी योजनाएं जनहितकारी हैं। वे हर नागरिक की समस्याओं को समझती हैं और उनके समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। विवेक गोयल ने कहा कि यह चुनाव बदलाव का चुनाव है और जनता ने तय कर लिया है कि सीवन को नई पहचान देने के लिए संयम गुप्ता को विजयी बनाना है।

राजनीति में आने का मेरा मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा करना : संयम गुप्ता

नगर पालिका चेयरमैन पद की उम्मीदवार संयम गुप्ता ने कहा कि राजनीति में उनके आने का मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा करना है ना कि पैसा कमाना। संयम गुप्ता ने कहा कि सीवन की तकदीर बनाऊंगी मैं हर कोने में रौशनी लाऊंगी मैं। न सडकें टूटें, न जल की कमी हो हर सुविधा हर द्वार तक पहुंचाऊंगी मैं।
शिक्षा की ज्योति जलाऊंगी मैं स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत बनाऊंगी मैं। हर हाथ को काम मिले यहां ऐसा सुंदर नगर बनाऊंगी मैं। राजनीति सेवा का जरिया है मेरा हर दुख को दूर करूंगी मैं जनता का साथ मिले तो यकीन मानो सीवन को प्रदेश की मिसाल बनाऊंगी मैं। इस अवसर पर उनके साथ सैकड़ों की संख्या में उनके समर्थक उपस्थित थे।

डॉ. जितेंद्र गिल कैथल जिले में चलाएंगे पेड़ पौधे लगाने का अभियान

डॉ. गिल कई वर्षों से निरंतर पर्यावरण को हरा-भरा बनाने में निभा रहे है अहम भूमिका

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार
कैथल, 18 फरवरी। भारतीय चिकित्सा परिषद् के सदस्य डॉ. जितेंद्र गिल समूचे कैथल जिला को हरा-भरा बनाने की मुहिम के तहत लोगों को अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने की मुहिम चलाएंगे, जिसके तहत लोगों को जागरूक करके अधिक से अधिक पौधारोपण किया जाऐगा। उल्लेखनीय है कि डॉ. गिल निरंतर कई वर्षों से पेड़ पौधे लगाने का अभियान चलाए हुए है। जागरूकता मुहिम के तहत यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. जितेंद्र गिल ने कहा कि पौधे हमारे जीवन का आधार हैं, क्योंकि ये हम सब को जीने के लिए जरूरी ऑक्सीजन के साथ-साथ बीमारियों के इलाज के लिए मदद करने में सक्षम है। यदि हर कोई अपने आसपास की जड़ी बूटियों को पहचान कर उसके बीमारी में प्रयोग की विधि जान ले तो हम सब मिलकर समाज व राष्ट्र की बहुत बड़ी सेवा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से वर्षा ऋतु में सारे रोगों का आक्रमण होता है। उसके निदान के लिए प्रकृति ने बहुत सारी जड़ी बूटियों को इस ऋतु में स्वास्थ्य के लाभ के लिए पैदा किया है। लेकिन दुर्भाग्य से हम जानते नहीं कि किस प्रकार से हम इन जड़ी बूटियों के पौधों के प्रयोग से खतरनाक से खतरनाक बीमारी को ठीक करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि पौधे हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, जो न केवल प्राकृतिक सौंदर्य में योगदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण को भी संतुलित रखते हैं। वे ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं, जो हमारे जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर-के वायुमंडल की शुद्धता को बनाए रखते हैं। डॉ. जितेंद्र गिल ने कहा कि पौधे न केवल मनुष्यों के लिए बल्कि अन्य प्राणियों के लिए भी आवश्यक हैं, क्योंकि ये खाद्य और आश्रय प्रदान करते हैं। आज के समय में जब वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है और प्रदूषण बढ़ता जा रहा है, तब पौधों का संरक्षण और उनका महत्व और भी बढ़ जाता है। पौधों के महत्व को समझते हुए, हमें उन्हें बचाने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठाने चाहिए। सबसे पहले, हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए, चाहे वह हमारे घर के आस-पास हों या सार्वजनिक स्थानों पर।
इसके साथ ही, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम जो पौधे लगाते हैं, वे हमारे पर्यावरण के अनुकूल हों और स्थानीय प्रजातियों से संबंधित हों। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जब तक पेड़ पौधे होंगे, तब तक जीवन होगा।

पौधे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी

भारतीय चिकित्सा परिषद् के सदस्य डॉ. जितेंद्र गिल ने कहा कि पौधे पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे मृदा को स्थिर करते हैं, पानी के प्रवाह को नियंत्रित करते हैं और जलवायु में सुधार करते हैं। पौधे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके और ऑक्सीजन का उत्सर्जन करके जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। पौधों की जड़ें मृदा के अपरदन को रोकने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा कि पौधों का मनुष्यों पर भी बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। पौधों से मिलने वाले विभिन्न उत्पाद जैसे कि अनाज, फल, सब्जियां, औषधियां और रेजिन आदि हमारे जीवन के लिए जरूरी हैं। इसके अलावा, पौधे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होते हैं। ताजगी और शांति की भावना के लिए हरियाली बहुत महत्वपूर्ण है। पौधों की उपस्थिति से तनाव कम होता है और व्यक्ति की मानसिक स्थिति में सुधार होता है।

मनुष्य का समाज में योगदान ही उसके जीवन को सार्थक बनाता है : राजीव आर्य

बोले : सामाजिक कार्यों में बढ़-चढकर भाग लेना हमारी नैतिक जिम्मेदारी

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार
कैथल, 18 फरवरी। युवा भाकियू प्रदेशाध्यक्ष हरियाणा राजीव आर्य ढांड ने कहा कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, और समाज में उसका योगदान ही उसके जीवन को सार्थक बनाता है। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में बढ़-चढकर भाग लेना हमारी नैतिक जिम्मेदारी होती है। इन कार्यों से न केवल समाज का कल्याण होता है, बल्कि व्यक्ति को आत्मिक शांति और संतोष भी प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सामाजिक कार्यों में संलग्न होने से व्यक्ति में परोपकार की भावना विकसित होती है। यह कार्य हमें न केवल आत्मिक शांति प्रदान करते हैं, बल्कि समाज के प्रति हमारे दायित्वों की पूर्ति भी कराते हैं। कस्बे में अपने कार्यालय में बातचीत करते हुए किसान नेता राजीव आर्य ने कहा कि जब हम जरूरतमंदों की सहायता करते हैं या गौसेवा में योगदान देते हैं, तो हम ईश्वर की कृपा के पात्र बनते हैं। सेवा, दान और परोपकार से समाज में प्रेम और सद्भाव का वातावरण बनता है। हमें सदैव ऐसे कार्यों में बढ़-चढकर भाग लेना चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। यही मानव जीवन की सच्ची सार्थकता है। किसान नेता राजीव आर्य ढांड ने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति और धर्म का अभिन्न हिस्सा है। गौशालाओं में आर्थिक सहयोग देना, गाय माता की देखभाल करना और उनके संरक्षण हेतु प्रयास करना हमारी प्राचीन परंपराओं का हिस्सा रहा है। गाय को माता का दर्जा दिया गया है क्योंकि वह हमें दूध और कई उपयोगी उत्पाद प्रदान करती है। इसलिए गौशालाओं में सेवा करना पुण्य का कार्य माना जाता है। इसके अतिरिक्त, जरूरतमंदों की सहायता करना भी हमारा कर्तव्य है। जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र और शिक्षा उपलब्ध करवाना, बीमारों की सेवा करना और समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करना मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक है। राजीव आर्य ने कहा कि धार्मिक आयोजनों में सेवा देना भी पुण्य का कार्य है।
ऐसे कार्यों से व्यक्ति में धार्मिक आस्था बढ़ती है और वह अच्छे कर्मों की ओर प्रेरित होता है। समाज में सद्भाव, भाईचारा और प्रेम की भावना को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक सेवा कार्यों में भाग लेना आवश्यक है। सेवा का भाव ही सच्ची मानवता का प्रतीक है, और यही हमारे जीवन का वास्तविक उद्देश्य होना चाहिए।

अवैध देसी पिस्टल सहित आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। थाना औद्योगिक सेक्टर 29 पुलिस टीम ने गश्त के दौरान मिली गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सज्जन चौक के पास एक युवक को अवैध देसी पिस्टल सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जसवंत निवासी हरिपुर बडाम कुरूक्षेत्र हाल ट्रांसपोर्ट नगर सेक्टर 25 पार्ट वन के रूप में हुई। थाना औद्योगिक सेक्टर 29 प्रभारी सब इंस्पेक्टर सुभाष ने बताया कि सोमवार को थाना औद्योगिक सेक्टर 29 पुलिस की एक टीम गश्त व जांच पड़ताल के दौरान फ्लौरा चौक पर मौजूद थी। तभी टीम को गुप्त सूचना मिली की संदिग्ध किस्म का एक युवक श्याम गार्डन की और से संजन चौक की और पैदल आ रहा है।

युवक के पास अवैध हथियार होने की संभावना है।

पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर युवक को काबू कर पूछताछ की तो उसने अपनी पहचान जसवंत पुत्र रघबीर निवासी हरिपुर बडाम कुरूक्षेत्र हाल ट्रांसपोर्ट नगर सेक्टर 25 पार्ट वन के रूप में बताई। तलाशी लेने पर आरोपी की पहनी हुई लोअर की जेब से एक देसी पिस्टल बरामद हुआ। पिस्टल को खोलकर जांच की तो अनलोड मिला।
पुलिस टीम ने आरोपी को देसी पिस्टल का लाईसेंस दिखाने के लिए कहा तो वह कोई भी कागजात पेश नही कर सका।
प्रभारी सब इंस्पेक्टर सुभाष ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया उसको हथियार रखने का शौक है। शौक पूरा करने के लिए आरोपी ने उक्त देसी पिस्टल करीब 2 महीने पहले अपने जानकार दो युवकों से 5 हजार रूपए में खरीदने बारे स्वीकारा। पुलिस ने थाना औद्योगिक सेक्टर 29 में आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर मंगलवार को आरोपी जसवंत को न्यायालय में पेश किया और असला सप्लायर के ठीकानों का पता लगा काबू करने के लिए आरोपी को 2 दिन के पुलिस रिमांड पर हासिल किया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति की मौत, मामला दर्ज

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
इस्माईलाबाद, 18 फरवरी। जखवाला काठगढ़ रोड पर गांव तंगी पुर के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति की मौत होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।
राम कुमार वासी गांव कलावड ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका 55 वर्षीय भाई सुरता राम इस्माईलाबाद में हलवाई की दुकान करता है। हर रोज की तरह वह रात्रि करीब साढ़े 9 बजे बाइक पर सवार होकर अपनी दुकान से घर आ रहा था। जैसे ही वह काठगढ़ जखवाला रोड पर गांव तंगीपुर के समीप पहुंचा तो किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे वह बाइक सहित सड? पर गिर गया और घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना उसके एक रिश्तेदार ने उसे फोन कर दी। वह अपने भाई मंगल राम व भतिजे संजू के साथ मौका पर आ गए। वे घायल सुरता रात को इस्माईलाबाद के एक प्राइवेट अस्पताल में ले गए। जहां से डॉक्टर ने उन्हें अंबाला के लिए रेफर कर दिया। जब वे अंबाला के सरकारी अस्पताल में पहुंचे तो डॉक्टर ने जांच करने के बाद उसके भाई को मृत घोषित कर दिया। अज्ञात वाहन की टक्कर से उसके भाई की मौत हुई है। पुलिस ने राम कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच एएसआई प्रदीप कुमार कर रहे है। जांच अधिकारी ने कहा कि मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी कैमरो की फुटेज खंगालने के साथ आसपास के लोगों से जानकारी ली जा रही है। दुर्घटना कैसे हुई जल्द ही इसका पता लगा लिया जाएगा।

गांव झांसा में पुलिस ने लोगों को नशे के प्रभावों के बारे जागरूक किया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
इस्माईलाबाद, 18 फरवरी। गांव झांसा अनाज मंडी में पुलिस विभाग द्वारा नशे के प्रति जागरूक अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डीएसपी कुरुक्षेत्र सुनील कुमार ने शिरकत कर लोगों को नशे के प्रभावों बारे में जागरूक करते हुए कहा कि नशा एक ऐसा जाल है जिसमें व्यक्ति प्रतिदिन उलझता चला जाता है। उन्होंने बताया कि नशे को जाल को जड़ से उखाड? के लिए पुलिस लोगों को जागरूक करने के साथ साथ चेकिंग अभियान चला कर नशे पर शिकंजा कसने का प्रयास करती रहती है। उन्होंने सभी से सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि पब्लिक के सहयोग के बिना पुलिस किसी भी अभियान को पूरा नहीं कर सकती है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि अगर आपके पास कोई व्यक्ति नशे को बढ़ावा दे रहा है तो इसकी सूचना पुलिस को दें उसका नाम गुप्त रखा जाएगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि युवाओं को अधिक से अधिक खेलों में हिस्सा लेना चाहिए ताकि उनका ध्यान नशे की तरफ न जाकर खेलों में लगा रहे। इससे उनके जीवन में अनुशासन भी बनेगा और शरीर मानसिक व शारीरिक रूप से मजबूत बनेगा। इस मौके पर उनके साथ झांसा थाना प्रभारी गुलाब सिंह, एएसआई पवन कुमार ने भी लोगों को संबोधित किया। इस अवसर पर झांसा के सरपंच पवन गाबा, पूर्व सरपंच राजपाल, मंडी प्रधान ज्ञानचंद, अजय कुमार, निर्दोष ककड़, जय कुमार, श्याम सुंदर, अशोक कुमार, श्रीचंद, सोनू आदि मौजूद रहे।

टेकस्पर्धा-25 थीम लॉन्च: उत्तर भारत के सबसे बड़े टेक फेस्ट में नवाचार की नई उड़ान

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 18 फरवरी। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र ने टेकस्पर्धा -25 के लिए बहुप्रतीक्षित थीम का अनावरण करते हुए एक रोमांचक शाम का आयोजन किया। उत्तर भारत के सबसे बड़े तकनीकी महोत्सव की इस वर्ष की थीम 'फ्रंटियर रीइमेजिन्ड' रखी गई है, जिसका उद्देश्य असीमित नवाचार को प्रेरित करना है। यह आयोजन तकनीकी उत्साही, उद्योग विशेषज्ञों और देशभर के छात्रों को एक मंच पर लाएगा। टेकस्पर्धा '25 का आयोजन 27 फरवरी से 2 मार्च 2025 तक होगा, जिसमें 30+ एनआईटी और देश के शीर्ष विश्वविद्यालयों से 12,000 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। थीम लॉन्च का भव्य आयोजन एनआईटी कुरुक्षेत्र के ओपन एयर थिएटर में किया गया। यह शाम सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सराबोर रही, जिसमें मंत्रमुग्ध कर देने वाले नृत्य, भावपूर्ण गायन और अन्य शानदार परफॉर्मेंस शामिल थे। पूरे कार्यक्रम में उत्साह और रोमांच का माहौल बना रहा, जिससे टेकस्पर्धा'25 को लेकर छात्रों में जबरदस्त उत्सुकता देखने को मिली।

सीएम घोषणाओं को लेकर डीसी ने अधिकारियों से की बैठक

अम्बाला: उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने अपने कार्यालय में मुख्यमंत्री घोषणाओं के विषय के तहत संबधित विभागों के अधिकारियों की एक बैठक लेते हुए समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर उनके साथ अतिरिक्त उपायुक्त डा. ब्रहमजीत, जीएम रोडवेज अश्वनी डोगार व अन्य संबधित मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त ने सीएम अनाउसमेंट के तहत किस विभाग से संबधित कितनी घोषणाएं हैं, कितनी पर कार्य हुआ है, कितनी पैडिंग है तथा कौन सी प्रोसैस में है उसकी बिंदुवार विभागों से जानकारी हासिल की। अतिरिक्त उपायुक्त ने उपायुक्त को अवगत करवाते हुए बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं के तहत जिला में 289 घोषणाएं है जिनमें से 246 घोषणाओं से सम्बन्धित कार्यों को कर लिया गया है, 26 पर कार्य जारी है तथा 7 घोषणाएं पैंडिग है। उन्होंने बैठक के दौरान सम्बन्धित अधिकारियों को यह भी कहा कि घोषणाओं से सम्बन्धित कार्यों की जो भी रिपोर्ट एवं वास्तविकता है उसे पोर्टल पर भी अपलोड करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिला अम्बाला में मुख्यमंत्री की घोषणाओं के तहत सम्बन्धित विभागों द्वारा बेहतर तरीके से कार्य किया गया है जिससे जिले की रैंकिग भी प्रदेश में अच्छी है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार वे जो भी घोषणाओं से सम्बन्धित कार्य हैं, उन्हें बेहतर तरीके से करते हुए समय अवधि के तहत उसे पूरा करवाएं। बैठक के दौरान उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग से नागरिक अस्पताल अम्बाला शहर के साथ बनाए जा रहे 200 बैड के अस्पताल के कार्य की, नागरिक अस्पताल अम्बाला छावनी में पैट स्कैन मशीन बारे, लोक निर्माण विभाग से रिंग रोड़ से सम्बन्धित कार्य बारे, मार्किटिंग विभाग द्वारा धनौरी से ठरवा रोड़, मारकण्डा नदी पर सबगा से सहोता रोड़ के कार्य बारे, नगर निगम से सम्बन्धित अधिकारियों से नौरंगराय तालाब, महावीर पार्क, तारामण्डल भवन बारे, मल्टी लेवल पार्किंग बारे, स्पोर्ट विभाग से एस्ट्रोट्रफ बारे, जिमखाना क्लब बारे, जीएम रोडवेज से जनसुआ बस स्टैण्ड के कार्य बारे तथा मुलाना स्थित बस क्यू सैल्टर बारे, पंचायती राज विभाग से सामुदायिक भवनों बारे व अन्य सम्बन्धित विभागों से उनके विभाग से सम्बन्धित जो मुख्यमंत्री की घोषणाएं है उनके कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कार्यकारी अभियंता रितेश अग्रवाल, कार्यकारी अभियंता जसविन्द्र मलिक, कार्यकारी अभियंता कृष्ण कुमार, कार्यकारी अभियंता जिले सिंह, कार्यकारी अभियंता सौरभ, डीआरओ विकास कुमार, डीडीपीओ दिनेश शर्मा, सिविल सर्जन डा. राकेश सहल, डा. सुनील हरि, सचिव राजेश कुमार के साथ-साथ सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दुल्हन बनने जा रही हैं तो शादी के लिए खरीदें इस तरह के डिजाइनर लहंगे

हर लड़की अपनी शादी के बड़े-बड़े सपने संजोती है कि वह सबसे फैसनेबल और स्टाइलिश दिखे।पर आजकल बाजार में हर चीज के दाम इतने ज्यादा बढ़ गए है कि हर किसी के लिए शादी के सामान की अच्छी चीज को खरीदना मुश्किल हो गया है। ऐसे में अगर कपड़ो की बात की जाए तो कपडो पर की गई कढाई कपड़ो को दाम बढा देती है। इसलिए आज हम आपको बताएंगे कि आप आपने हर फंक्शन के लिए किस तरह की पोशाक को कम दाम में खरीदे।

1. म्यूजिकल नाइट के लिए लहंगा

अगर आप अपनी म्यूजिकल नाइट में सबसे खूह सूरत दिखना चाहती है तो सुनहरे व नीले रंग का सुंदर लहंगा ही पहने। नीले रंग के इस डिजाइनर लहंगे पर तीनों रंगों का बहुत ही खूबसूरती से इस्तेमाल किया गया है। इस पर लगाया गया गुलाबी व सुनहरे रंग का फीता और चोली पर सुनहरे रंग का साथ की गई कढ़ाई व नटे का दुपट्टा किसी भी रंग की लड़की को सुंदर बना सकते हैं। 2.

कॉकटेल पार्टी के लिए लहंगा

कॉकटेल पार्टी में तैयार होने के लिए आप नीला व सफेद लहंगा पहने। ऐसे लहंगे पर उम्र व फिगर वाली लड़की पर अच्छा लगता है। लहंगे व चोली पर बनाया गया फूलों का जटिल डिजाइन बहुत साफ होने के कारण आपको शाही रूप प्रदान करता हैं।

3. शादी वाले दिन लहंगा

शादी वाले दिन आप पारंपरिक लहंगे के हिसाब से लाल कुर्ती के साथ बेज रंग का लहंगा पहने। लाल रंग की कुर्ती पर की गई सुनहरे रंगी की कढाई रंगों के मिलाप को दिखाती है। इसलिए कुर्ती के साथ पहने गए बेज रंग के लहंगे पर सुनहरे रंगा का गोटा लगा हुआ लहंगा ही पहने।

4. रिसेप्शन के लिए लहंगा

अगर आप अपने रिसेप्शन पर धातुए रंग की कुर्ती के साथ काले रंग का लहंगा पहनेगे तो बहुत ही अच्छे लगेंगे। ऐसे लहंगे में आपकी तस्वीरें बहुत ही सुंदर आएगी। ऐसे फोटोजेनिक काम के लिए लहंगा एकदम सही है। ब्लाउज का हाई नेक व चोली के सामने लगाए गए बटन आपको एक इंडो-वेस्टरन लूक देगा और आप स्टाइलिश दिखेगी। इसके साथ दुपट्टा नहीं होता है।

बजट मे रहकर खरीदें ये स्टाइलिश बैल्ट

बैल्टस को हर लड़का अपनी पैंट के साथ तथा महिलाएं अपनी स्कर्ट के साथ पहनती हैं। यह देखने में बहुत छोटी होती हैं, पर कुछ बैल्ट का दाम किसी पोशाक के मुकाबले कम नही होता। आजकल बाजार में बहुत सी स्टाइलिश बैल्ट देखने को मिलती है। इनमें से कुछ बैल्ट कपड़े की बनी होती है और कुछ चमड़े की। आज हम आपको कम बजट वाली स्टाइलिश बैल्ट के बारे में बताएगें।

1. चमडे की बैल्ट

अगर आप फॉर्मल लुक पाना चाहते हैं तो काले या भूरे रंग में चमडे की बैल्ट पहने। चमड़े की बैल्ट को बहुत ही संभाल कर रखना पड़ता है। आप इसे फॉर्मल पैंट या जीन्स के साथ पहन सकते है।

2. ब्रांडेड बैल्ट

यदि आप किसी को अपनी तरफ आकर्षित करना चाहते हैं तो ब्रांडेड बैल्ट जरूर पहने। आप इसे किसी भी सिंपल पैंट, पतलून के साथ पहन सकते है। 3. नियॉन बैल्ट

नियॉन बैल्ट रंग-बिरंगी होती है। इसे ज्यादातक स्टाइलिश लूक और फैशन स्टेटमेंट बनाने के लिए पहना जाता है। इन बैल्टस को पुरुषों व महिलाएं दोनों ही पहन सकती है।

4. टेक्स्चर्ड बैल्ट

आजकल बाजार में चमड़े और कपडे दोनों तरह की टेक्स्चर्ड बैल्ट आती है। पर इनमें से कपड़े की बैल्ट ज्यादा अच्छी होती है। इस बैल्ट की खासियत है कि इसकी पकड़ काफी आरामदायक होती है।

5. ट्रैवल बैल्ट

अगर आप ज्यादातर टुर पर जाते हैं तो आपको ट्रैवल बेल्ट पहन कर जाता चाहिए। ट्रैवल बेल्ट में 3-4 पाकिट होती हैं, जिसमें आप अपने पैसे, कार्ड, जरूरी दस्तावेज आदि संभाल सकते है। इसलिए ट्रेकिंग या छुट्टियों पर जाते समय इसे जरूर पहने।

रस्म के हिसाब से दुल्हन चुने कुछ इस तरह के बैग

शादी के बाद नई नवेली दुल्हन सभी के आकर्षण का केंद्र होती है। कपडों, गहनों से लेकर पर्स तक सभी चीजें उसकी खूबसूरती में चार-चांद लगा देते है। ऐसे में अगर पर्स डिजाइनर हो और अपनी साडी या लहंगेसे मैच करता हो तो बात ही क्या। दुल्हन को चाहिए की वह रस्मों के हिसाब से ही अपनी ड्रेस का चुनाव करे और ड्रेस के साथ मैच करता डिजाइनर पर्स लें। जो आपको खूबसूरत दिखने के साथ-साथ ग्लैमरस लुक भी दे।

1. सगाई की रस्म के समय क्लच बैग

अगर आप अपनी सगाई की रस्म में भारी साडी या लहंगा पहनने की सोच रहे है तो इसके साथ मैच करता हुआ बैग ही चुनें। सगाई की रस्म के समय आपको कल्च बैग को हाथ में पकड़ना बहुत ही आसान होगा। इसे आप कलाई पर लटका सकते है या फिर हाथ में पकड़ सकते है। 2. कॉकटेल पार्टी के लिए इंडो-वेस्टर्न लुक का बैग

अगर आप अपनी कॉकटेल पार्टी में ग्लैमरस दिखना चाहती है तो लिपटी शिफॉन की ब्लैक या लाल रंग की डिजाइनर चोली वाली साडी के साथ इंडो-वेस्टर्न लुक का बैग लें। यह आप पर बहुत ही अच्छा लगेगा।

3. शादी वाले दिन के लिए बटुआ या फिर पोटालीनुमा पर्स

आप अपनी शादी के दिन लहंगे के साथ बटुआ या फिर पोटालीनुमा पर्स का इस्तेमाल कर सकती है। इसे पकडना आपको बहुत ही आसान होगा और आप लहंगे के साथ टक कर सकती है।

4. रिसेप्शन पार्टी की शाम के लिए बैग

रिसेप्शन पार्टी के लिए आप जरदोजी या बीड्स लिए टोट बैग ही लें। इसे लेने से आप पार्टी में थोडे गलैमरस लगेगे। इस तरह के बैगस को आप साड़ी के साथ भी ले सकते है।

खूबसूरत और फेश त्वचा पाने के लिए चेहरे पर लगाएं आइस क्यूब्स

आज कल हर लड़की चाहती है कि उसकी त्वचा खूबसूरत, चमकीली और मुलायम बनी रहे। ऐसे में वह अपनी त्वचा को और खूबसूरत बनाने के लिए वह तरह-तरह के प्रोडक्ट मार्किट

से ला कर इस्तेमाल करती है। पर आज हम आपको बताएगें कि आप घर पर ही आइस क्यूब्स से आप अपनी त्वचा को फ्रेश और ब्यूटीफुल बना सकती है। जाने कैसे...

1. चमकीली और स्वस्थ त्वचा

हर लड़की जवां और खूबसूरत दिखना चाहती है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि अगर आप सुंदर, चमकीली और स्वस्थ त्वचा पाना चाहती है तो आइस क्यूब्स को हर रोज चाहरे पर लगाएं ।

2. आंखों की थकान मिटाने के लिए

आजकल काम का बोझ इतना ज्यादा बढ़ गया है कि काम करने के दौरान हमारी आंखे थक जाती है और समय से पहले ही आंखो पर झुर्रियां पड़ जाती है। ऐसे में आंखों की थकान और झुर्रियों की समस्या को दूर तरने के लिए कॉटन के कपडे में बर्फ के कुछ टुकडे लेकर आंखों के आसपास धीरे-धीरे से घुमाएं।

3. मेकअप करने से पहले

मेकअप को ज्यादा समय तक टिकाए रखने के लिए मेकअप करने से पहले बर्फ के कुछ टुकडें लेकर कपड़े में बांधकर चेहरे पर लगाएं। ऐसा करने से आपको फ्रेशनेस का एहसास होगा।

4. स्किन टैन या त्वचा में जलन

आगर आपकी स्किन तेज धूप के कारण टैन हो गई हो या फिर जल गई हो तो ऐसे में जलन वाली जगह पर बर्फ लगाएं। बर्फ लगाने से आपको कूलिंग का एहसास होगा और टैनिंग से भी मुक्ति मिलेगी।

5. आईब्रोज करवाने के बाद होने वाली जलन

अक्सर देखा जाता है कि लड़कियां जब भी आईब्रो करवाती है तो बाद में उनहें जलन या रेडनेस होने लगती है। ऐसे में जलन और रेडनेस को कम करने के लिए आंखों के आसपास आइस क्यूब्स घुमाएं।

ट्रेगिंग्स को ट्राई करने के बाद में आप लेगिंग-जेगिंग पहनना भूल जाएगे

आजकल फैसन में ट्रेगिंग्स को बहुत ही पंसद किया जा रहा है। इसे लडकियां फॉर्मल अकेजन में पहनती है। लेगिंग्स के इस बदले ट्राउजर को आप किसी भी इवनिंग आउटिंग, फॉर्मल ब्रंच या रिलेक्स टाइम में पहन सकती हैं। बाजार में इसके बहुत से रंग मिलते है। तो आइए जानते है इन ट्रेगिंग्स के बारे में।

1. ट्राउज़र और लेगिंग से बना ट्रेगिंग्स

ट्राउज़र और लेगिंग से बनाया गया ट्रेगिंग्स उन लोगों के लिए एक परफेक्ट ऑप्शन है, जो फैशनेबल लुक वाला आरामदायक लोअर्स पहनना पसंद करते हैं। इसे पहनकर आपको चलने-फिरने में कोई असहजता महसूस नहीं होती ।

2. ट्रेगिंग्स जेगिंग

आजकल मार्केट में ट्रेगिंग्स जेगिंग बहुत ही किफायती दामों पर मिल जाती है। ट्रेगिंग्स को आप शॉर्ट कुर्ती और स्टोल के साथ पहन सकतीं हैं। इतना ही नहीं इन्हें आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं। 3. ट्रेगिंग्स को लंबे टॉप्स के साथ पहने अगर आप अपने थाइज़ को लेकर थोडा असहज महसूस करती हैं, तो आप ट्रेगिंग्स को लंबे टॉप्स के साथ पहने ट्रेगिंग्स की फिटेड लुक को बरकरार रखने के लिए, अपने आउटफिट में थोड़ी फ्लूइडटी दें या फिर इसके साथ फ्लोई टॉप्स और जैकेट पहनें।

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोनः01252-259260, 9255149495, ईमेलः haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिकाः- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।